RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 254 , गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

71वीं वाहिनी एसएसबी ने विद्यार्थियों को कराया शैक्षिक भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्था और साइबर ... 03

वैज्ञानिक खेती से बढ़ेगी पैदावार, किसानों की आमदनी में होगा इजाफा 04

साई पल्लवी ने क्यों एमबीबीएस छोड़कर चुना अभिनय? रणबीर... 07

लोन की किस्त नहीं चुकाई, एजेंट्स ने किसान को उठाया

● 3 दिन बाद फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में लाश मिली, 5 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड जिले में 40 साल के किसान चंद्रकांत शिंदे का शव मिला है। शव निजी फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में मिला। परिवार और ग्रामीणों का आरोप है कि लोन की किस्त नहीं चुकाने पर रिकवरी एजेंट्स ने चंद्रकांत को किडनैप किया था। तीन दिन बाद उनका शव मिला। चंद्रकांत शिंदे नांदेड जिले के मुदखेड़ तहसील के मलकोठा गांव के रहने वाले थे। पत्नी की शिकायत के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम को दो अज्ञात लोगों ने उन्हें जबरन एक मोटरसाइकिल पर बैठाया और फाइनेंस कंपनी ऑफिस ले गए। पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का। नांदेड एसपी के मुताबिक पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें फाइनेंस ऑपरेशन चलाने वाला मुख्य आरोपी असलम भी शामिल है।

सूखा प्रभावित गांवों में कर्ज की परेशानी

यह घटना नांदेड जिले के कुछ हिस्सों में किसानों की आर्थिक परेशानी के बीच हुई है। जिले के कई गांवों में सूखे जैसी स्थिति बताई जा रही है। डीएम से पूछा गया कि क्या सूखा प्रभावित इलाकों में किसानों से लोन वसूली को लेकर फाइनेंस कंपनियों के लिए कोई खास गाइडलाइन जारी की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई आधिकारिक गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। हालांकि, जिला कलेक्टर के साथ बैठक की गई है। डीएम ने कहा, अगर कहीं गैरकानूनी तरीके से लोन वसूली हो रही है, तो नागरिक सामने आएं। उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जयकुमार उर्फ भैया भगवान गायकवाड़ (22), शेख आमिर शेख साहेब को गिरफ्तार किया है।

किसान आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र पहले नंबर पर

किसान आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर है। डेटा के मुताबिक 2023 में पूरे भारत में खेती-किसानी से जुड़े कुल 10,786 आत्महत्या के मामले सामने आए थे। इसमें से अकेले महाराष्ट्र में 4,151 केस थे। इनमें 4690 किसान थे और 6096 खेत मजदूर थे। आंकड़ो के कारण के आधार पर डेटा नहीं देता, पर महाराष्ट्र सरकार की रेवेन्यू डिपार्टमेंट की रिपोर्ट कहती है विदर्भ-मराठवाड़ा (यवतमाल, अमरावती, नांदेड़, बीड) में 80 फीसदी से ज्यादा केस में आत्महत्या का कारण फसल खराब होना, निजी साहूकार/फाइनेंस कंपनी का कर्ज होता है। किसानों की कैश क्रॉप (कपास, सोयाबीन) पर निर्भरता है, यानी इनकी इनपुट कॉस्ट ज्यादा, इसलिए साहूकार से 24-36 फीसदी ब्याज पर लोन लेते हैं। महाराष्ट्र में अवैध साहूकारी और जबरन वसूली के केस 2023 में 1247 थे। नांदेड़ जिले में ही पिछले 2 साल में 9 किसान लोन रिकवरी एजेंटों द्वारा मारपीट की एफआईआर हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

इजराइल में उलटफेर रुझानों में नेतन्याहू गठबंधन आगे

● ओपिनियन पोल में हार का अनुमान था, ट्रम्प बोले-मेरे समर्थन से माहौल बदला

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल में संसदीय चुनाव के बाद वोटों की गिनती जारी है। अब तक 76.8 फीसदी वोटों की गिनती में नेतन्याहू गठबंधन 54 सीटों के साथ आगे है। वहीं, गादी आइजनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को

47 सीटें मिलती दिख रही हैं। अरब पार्टियों के जॉइंट लिस्ट और राअम पार्टी को मिलाकर 19 सीटें मिलने का अनुमान है। इजराइली संसद में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। चुनाव से पहले ओपिनियन पोल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हार का अनुमान जताया गया था। चुनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने नेतन्याहू को मिली बढ़त का श्रेय लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि उनके समर्थन के बाद चुनाव का माहौल बदल गया। ट्रम्प के मुताबिक, पहले नेतन्याहू की हार का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन अब मुकाबला बराबरी का हो गया है और वे जीत भी सकते हैं।

हरदीप सिंह पुरी एमपी से जाएंगे राज्यसभा

● एल.मुरुगन के इस्तीफे के बाद बीजेपी ने बनाया उम्मीदवार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की एक सीट के लिए उपचुनाव होने हैं। यह सीट केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। बीजेपी ने इस सीट के लिए नाम की घोषणा कर दी है। बीजेपी की ओर से केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है।

दरअसल, एल मुरुगन का कार्यकाल 2030 तक बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के बाद एमपी से राज्यसभा की एक सीट खाली हो गई थी। राज्यसभा सीट खाली होने के बाद अटकलें थीं कि इस बार पार्टी राज्य के ही किसी नेता को मौका देगी। लेकिन फिर से बाहरी को मौका दिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनाया है। हरदीप सिंह पुरी अभी मोदी सरकार में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और पेट्रोलियम मंत्री हैं। वह भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं। साथ ही संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि रहे हैं। पुरी 2014 में बीजेपी में शामिल हुए थे। अभी वह यूपी से राज्यसभा के सांसद हैं। मध्य प्रदेश में राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन की शुरुआत हो गई है।

स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनें टकराईं, 39 की हुई मौत

● एक ट्रेन ने दूसरी को पीछे से जबरदस्त टक्कर मारी

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन में बुधवार को दो हाई-स्पीड ट्रेनें टकरा गईं। स्पैनिश मीडिया के मुताबिक, हादसे में 39 लोगों की मौत की खबर है। स्पेनिश अखबार एल पाइस के मुताबिक, एक ट्रेन ने दूसरी को पीछे से टक्कर मारी। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। मौके पर इमरजेंसी मेडिकल टीमें पहुंची हैं। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे हुआ। हादसे के बाद राजधानी मैड्रिड को दक्षिणी अंडालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल लाइन बंद कर दी गई। एक ट्रेन सुबह 8 बजे मैड्रिड से सेविल के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान दूसरी ट्रेन उससे टकरा गई। रेल नेटवर्क चलाने वाली कंपनी एडिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ट्रेन हादसे की खबर सुनकर वे सदमे में हैं। उन्होंने बताया कि राहत और बचाव दल मौके पर मौजूद हैं और हादसे में प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं। टोलेडो के पास उर्दा शहर के मेयर मैनुअल गालान ने बताया कि बचाव दल ने उनसे घायलों के इलाज और देखभाल के लिए एक स्पोर्ट्स हॉल तैयार रखने को कहा है। स्पेन में यह हादसा जनवरी में हुए ट्रेन हादसे के बाद हुआ है।

तूफान 'अर्नब' से आंध्र-ओडिशा में हाहाकार

● 3 लोगों की मौत, 57 हजार लोग किए गए शिफ्ट ● 50 ट्रेनें-21 फ्लाइट रद्द, एमपी-यूपी में भी अलर्ट

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' मंगलवार देर रात 3.30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। यहां 125 से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। आंध्र प्रदेश में 3 मौतें हुई हैं। राज्य के 31 घरों को नुकसान पहुंचा। 57 हजार लोगों को शिफ्ट किया गया है। तूफान के कारण 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम एयरपोर्ट पर 21 फ्लाइट्स रद्द की गईं। ओडिशा में भारी बारिश के चलते 16 जिलों में स्कूल बंद हैं। यहां 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 4,000 साइक्लोन शेल्टर बनाए गए हैं। विशाखापट्टनम में रात 27 अक्टूबर की सुबह 8.30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक, यानी करीब 18 घंटे में 200 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। यह जुलाई में होने वाली औसत बारिश के डेढ़ गुना से ज्यादा है। यहां जुलाई में औसतन 133 मिमी बारिश होती है।

मछलीपट्टनम से बालासोर तक समुद्र का रौद्र रूप

आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में तेज हवाओं और भारी बारिश से मौसम खराब है। वहीं, ओडिशा के बालासोर स्थित उदयपुर बीच पर समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। पूर्वी तट पर अलग-अलग जगहों के इन हालातों से हम समझ सकते हैं कि चक्रवात का असर केवल एक शहर या राज्य तक सीमित नहीं है। इसी बीच लोग इन लहरों में भी जिंदगी का लुत्फ ले रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में चक्रवात अर्नब के असर से तेज हवाएं चल रही हैं और भारी बारिश हो रही है।

यानम में सड़कों पर गिरे पेड़, राहत कार्य जारी

पुडुचेरी के यानम में चक्रवात की तेज हवाओं की वजह से पेड़ सड़कों पर गिर गए हैं। रास्ते साफ करने के लिए एनडीआरएफ की टीमें जुटी हैं। तूफान के दौरान पेड़ गिरने, बिजली की लाइनें टूटने और सड़कें बाधित होने जैसी घटनाएं राहत एवं बचाव कार्य को चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं। आंध्र प्रदेश के चिन्नागुम्मुलुरु में चक्रवात प्रभावित गांव का दौरा किया गया। उन्होंने पुनर्वास केंद्र में पहुंचकर लोगों के लिए उपलब्ध कराई जा रही राहत सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान तस्वीरों की मदद से हम देख सकते हैं कि कैसी पानी भरा हुआ है और रास्तें में तेज हवाएं चल रहीं हैं। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित आरके बीच पर तेज हवाओं के साथ समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस ने लोगों के बीच पर जाने पर रोक लगा दी है। मछुआरों को भी समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। ताकि खतरा टाला जा सके।

बैलेट पेपर से हुए चुनाव, कांग्रेस ने कितनी सीटें जीती!

● एमएलसी चुनाव नतीजों पर पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि चार बड़े राज्यों में एमएलसी की 28 सीटों पर चुनाव हुए और मतदान बैलेट पेपर यानी मतपत्रों के जरिए कराया गया। इसके बाद उन्होंने पूछा कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं। पीएम मोदी की इस पोस्ट में चुनाव के तरीके और कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर सवाल किया गया है। इन चार राज्यों के चुनाव में अलग-अलग दलों के बीच मुकाबला हुआ है। उपलब्ध नतीजों और रुझानों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों का प्रदर्शन भी सामने आया है।

भाजपा 30 साल बाद पटना टीचर सीट हारी, आरजेडी जीती

बिहार विधान परिषद की 8 सीटों में से 4 शिक्षक निर्वाचन सीट का रिजल्ट आ चुका है। पटना शिक्षक सीट पर 30 साल बाद बीजेपी की हार हुई है। नवल किशोर को राजद के डॉ. संजीव ने 1057 वोटों से मात दी है। वहीं तिरहुत शिक्षक सीट से बीजेपी के नरेन्द्र सिंह 600 वोटों से जीते। सारण शिक्षक सीट से बीजेपी के बागी और निर्दलीय राहुल राज ने 1815 वोट से जीत दर्ज की है। दरभंगा में जनसुराज के सुरेश प्रसाद राय ने जीत दर्ज की है। तिरहुत स्नातक सीट से वंशीधर लगातार आगे चल रहे हैं।

बीजेपी काशी हारी, यूपी की 5 सीटें जीती

चार राज्यों की 28 एमएलसी सीटों के नतीजों में बिहार में बड़ा उलटफेर हुआ है। यहां भाजपा के पांच बार के एमएलसी नवल किशोर यादव समेत चार सिटिंग एमएलसी चुनाव हार गए। जन सुराज ने दरभंगा शिक्षक सीट जीतकर विधान परिषद में खाता खोला। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 5 सीटों पर कब्जा किया, जबकि वाराणसी शिक्षक सीट सपा के खाते में गई। कर्नाटक की चारों सीटें भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने जीत लीं। यहां कांग्रेस ने एक सीट गंवा दी। महाराष्ट्र में 5 सीटों पर काउंटिंग जारी है, जहां महायुति 3 और एनसीपी (शरद) 2 सीटों पर आगे है। यूपी में गोरखपुर में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी की बढ़त लगातार कम हो रही है। निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। आगरा में फूट-फूट कर रोने वाले सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल जीत गए हैं।

केंद्रीय कर्मचारियों को मिला दीवाली गिफ्ट

डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी को कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स का महंगाई भत्ते (डीए) व महंगाई राहत को लेकर इंतजार खत्म हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को डीए और डीआर में 3 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को सरकार की ओर से दीवाली से पहले ही बड़ा गिफ्ट मिल गया है।

6वें और 5वें वेतन आयोग वालों को भी राहत

सरकार ने 6वें और 5वें वेतन आयोग के वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। ये बढ़ोतरी भी 1 जुलाई 2026 से लागू होंगी। महंगाई भत्ते के अलावा कैबिनेट ने कई अन्य योजनाओं को भी मंजूरी दी है। कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग योजना- इसके लिए 10,000 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

आतंकी साजिश थी यहूदी प्रार्थनास्थल के पास आगजनी

केरलम का मामला, हैंडलर के इशारे पर लगाई गई थी आग

कोच्चि (एजेंसी)। केरलम के कोच्चि में ऐतिहासिक यहूदी सिनागॉग (प्रार्थनास्थल) के सामने 12 अक्टूबर को हुई आगजनी को पुलिस ने बड़े आतंकी साजिश का हिस्सा बताया है। पुलिस के मुताबिक, 32 साल के आरोपी एबिन पॉल ने यह आग लगाई थी। कोच्चि के पुलिस कमिश्नर कलिराज महेश कुमार ने कहा कि 12 अक्टूबर की सुबह किया गया हमला एक टेस्ट केस था। आरोपी को पहले कोच्चि में खुद को साबित करने के लिए कहा गया था। इसी के चलते पॉल ने पेट्रोल डालकर आग लगाने के बाद अपने मोबाइल पर घटना का वीडियो भी बनाया था। हमलों की जिम्मेदारी देने की योजना थी।

क्रिप्टोकरेंसी से भुगतान, टेलीग्राम पर आ रहे थे 'बॉस' के निर्देश

कमिश्नर कुमार ने आगे बताया कि आरोपी को एक हैंडलर निर्देश दे रहा था और उसे क्रिप्टोकरेंसी के जरिए भुगतान किया जाता था। आरोपी को टेलीग्राम पर 'बॉस' नाम से दर्ज संपर्क से निर्देश मिलते थे। आरोपी ने पूछताछ में 'विक्रम' नाम के व्यक्ति का जिक्र किया है। पुलिस दोनों की पहचान की पुष्टि कर रही है। आरोपी के पुणे में पढ़ाई और बैकग्राउंड से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल हो रही है। पुलिस जनवरी और मार्च में हुई 3 अन्य आगजनी की घटनाओं से भी जोड़कर जांच कर रही है। आरोपियों के खिलाफ 23 अक्टूबर को अनलॉफुल एक्टिविटीज़ (प्रिवेंशन) एक्ट लगाया गया था।

भारत-अमेरिका के बीच बड़ा रक्षा समझौता

● राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री ने की बातचीत ● दोनों देशों के बीच 10 साल के डिफेंस प्लान पर चर्चा

मनीला (एजेंसी)। अमेरिका और भारत के बीच 10 वर्षों के लिए जो डिफेंस प्लान पिछले साल तैयार किया गया था उसकी समीक्षा की गई है। फिलीपींस के मनीला में भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच मुलाकात हुई है। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच 10 सालों के लिए डिफेंस फ्रेमवर्क में आए डेवलपमेंट की समीक्षा की है। इस दौराना दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने, सैन्य तकनीक और हथियारों के संयुक्त उत्पादन को लेकर बात की गई है। फिलीपींस के सेबू में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा और नये क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को लेकर चर्चा की है। आपको बता दें कि इससे पहले पिछले साल दोनों देशों के बीच इस डिफेंस फ्रेमवर्क पर दस्तखत किए गये थे। इसका मकसद दोनों देशों को अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप पर पिछले साल 31 अक्टूबर को राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ ने दस्तखत किए थे।

पायलट मच्छार को यूएई का बड़ा सम्मान

राष्ट्रपति ने गले लगाया, दुबई प्रिंस ने की तारीफ

अबू धाबी (एजेंसी)। यूएई ने फ्लाईदुबई की फ्लाइट को क्रैश से बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को जायद 2- फर्स्ट क्लास से सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मच्छार को गले लगाया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने स्मित को अपने देश की पहचान बताया। जायद-2, यूएई के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। फ्लाईदुबई फ्लाइट के पायलट मच्छार ने 30 सितंबर को प्लेन क्रैश कराने की कोशिश नाकाम कर दी थी। यह प्लेन दुबई से तेल अवीव जा रही था। इस दौरान को-पायलट ने उन पर हमला कर दिया था। राष्ट्रपति बिन जायद ने फ्लाइट के क्रू के सदस्यों को भी सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे।

आसाराम को जोधपुर जेल में घुसने से रोका, केस दर्ज

● पैरोल खत्म होने के 5 घंटे बाद सरेंडर करने पहुंचा था जेलर ने नहीं दी एंट्री

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर सेंट्रल जेल में मंगलवार रात 10.45 बजे सरेंडर करने पहुंचे आसाराम को जेलर ने अंदर नहीं घुसने दिया। उसे मंगलवार शाम 5 बजे तक सरेंडर करना था। वो करीब 6 घंटे की देरी से जेल पहुंचा था। प्रशासन ने रात के समय बंदी प्रवेश के नियम का हवाला देकर उसे एंट्री नहीं दी। पैरोल खत्म होने के तय समय में सरेंडर नहीं करने के आरोप में आसाराम के खिलाफ मंगलवार रात को ही रातानाड़ा थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई गई।

संक्षिप्त समाचार

गर्भवती महिला के पेट में मारी गोली, पीएमसीएच रेफर, देवर के प्रेम विवाह से जुड़े विवाद की जांच

हाजीपुर। वैशाली जिले में बुधवार सुबह गर्भवती महिला को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। गोली महिला के पेट में लगी है। गंभीर स्थिति में उसे सदर अस्पताल हाजीपुर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए PMCH रेफर कर दिया। घटना सदर थाना क्षेत्र के अदलपुर गांव की है। घायल महिला की पहचान अदलपुर निवासी सोनू कुमार की पत्नी दीवानी कुमारी(19) के रूप में हुई है।

अस्पताल पहुंची पुलिस, परिजन से की पूछताछः घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थाना और सदर थाने की पुलिस सदर अस्पताल पहुंची। पुलिस ने घायल महिला और उसके परिजनों से पूछताछ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर-1 के एसडीपीओ सुबोध कुमार भी अस्पताल पहुंचे और परिवार के सदस्यों से अलग-अलग जानकारी ली।

अलग-अलग बयान दे रहे परिजनः पुलिस के अनुसार, घटना को लेकर परिजनों के बयानों में विरोधाभास सामने आया है। परिवार के एक सदस्य ने महिला को घर के बाहर गोली लगने की बात कही, जबकि दूसरे ने दलान पर गोली मारे जाने की जानकारी दी। वहीं, घटनास्थल की जांच के दौरान घर के अंदर गोली चलने की आशंका सामने आई है। अलग-अलग बयानों के कारण पुलिस घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

प्रेम विवाह से जुड़े विवाद के बिंदु पर भी जांचः घायल महिला ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसका देवर कुछ दिन पहले घर के बगल में रहने वाली एक लड़की के साथ भागकर शादी कर चुका है। इस शादी के बाद दोनों परिवारों के बीच तनाव और विवाद होने की बात सामने आई है। पुलिस इस विवाद को भी जांच के एक संभावित बिंदु के रूप में देख रही है। हालांकि, गोलीबारी के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। सदर-1 के एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। परिवार के सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह और इसमें शामिल व्यक्ति के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

महनार थाने की गाड़ी के साथ रील वायरल
ड्राइवर ने 'हमर नेता विधायक से पहचान है, तुमसे ज्यादा मेरा भाई बलवान है' जैसे गानों पर बनाया वीडियो

हाजीपुर। वैशाली के महनार थाने की गाड़ी के साथ एक निजी ड्राइवर के कई रील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। महनार थाना क्षेत्र के इशाकपुर गांव का रवि कुमार कथित तौर पर थाने की गाड़ी चलाता है। रवि कुमार "टूटट दिलवा टूट गेलऊ, सोचल मोर सपनमां गे, तोराबीन नहीं जियल जाहऊं एको पल सोनमा गे" और "हमर नेता विधायक से पहचान है, तुमसे ज्यादा मेरा भाई बलवान है" जैसे गानों पर रील बनाते दिख रहा है। ये इंस्टाग्राम पर पोस्ट हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि युवक पुलिस की गाड़ी से रौब जमाता है। वीडियो वायरल होने के बाद सरकारी वाहन के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि युवक पुलिस की गाड़ी लेकर अपने घर और आसपास के इलाके में घूमता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

एसडीपीओ ने कही कार्रवाई की बातः महनार SDPO प्रवीण कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो उनके संज्ञान में आया है। वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जांच के बाद स्पष्ट होगी स्थितिः मामले में यह स्पष्ट होना बाकी है कि संबंधित व्यक्ति किस हैसियत से थाने की गाड़ी चला रहा था और वीडियो किन परिस्थितियों में बनाए गए। सरकारी वाहन के इस्तेमाल को लेकर भी जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस ने वीडियो के आधार पर पहचान और गिरफ्तारी की दिशा में कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

हाजीपुर ठेकेदार हत्याकांड में चौथा आरोपी गिरफ्तार शूटरों की पहचान कराने के 40 हजार मिले थे

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर में ठेकेदार रामनरेश राय हत्याकांड में पुलिस ने चौथे आरोपी नीतीश कुमार उर्फ क्रिमिनल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, हत्या का सौदा 1 लाख रुपए में तय हुआ था, जिसमें से आरोपी को 40 हजार रुपए मिल चुके थे। नीतीश दिग्घी नया टोला का रहने वाला है। उस पर 13 अगस्त की सुबह हुई हत्या में शूटरों को रामनरेश राय की पहचान कराने का आरोप है। पुलिस जांच में सामने आया कि स्थानीय होने के कारण उसने शूटरों की मदद की थी। आरोपी ने बताया कि छोटू राणा के कहने पर आदित्य प्रकाश उर्फ ढोलू ने उसे हत्या के लिए 1 लाख रुपए देने का वादा किया था। 12 अगस्त की रात उसने आदित्य के साथ मॉल से कपड़े और जूते खरीदे थे, ताकि पहचान छिपाई जा सके। वारदात के बाद नीतीश बनारस भाग गया था। बाद में गांव वालों का विश्वास जीतने के लिए वह मृतक के कैंडल मार्च में भी शामिल हुआ था। पुलिस के अनुसार, आरोपी का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है, उसके खिलाफ मोबाइल लूट और छिनैती के मामले दर्ज हैं।

अन्य आरोपियों की भूमिका भी आई सामनेः पुलिस के अनुसार, पूछताछ में नीतीश ने बताया कि दानापुर पुलिस टीम द्वारा पकड़ा गया आरोपी आदित्य प्रकाश उर्फ ढोलू भी घटना के दिन बाइक चला रहा था, जबकि रमेश यादव ने शूटर की भूमिका निभाई थी। मामले में छोटू राणा की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। वैशाली के एसएसपी शुभांक मिश्रा ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना के दिन चार अपराधी घटनास्थल पर पहुंचे थे, जिनमें नीतीश कुमार भी शामिल था। उसे गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसएसपी ने कहा कि हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

शहीद एक्सप्रेस में यात्री की संदिग्ध हालत में मौत, हरियाणा से घर लौट रहा था सुपौल का व्यक्ति

हाजीपुर। वैशाली में शहीद एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा के दौरान एक यात्री की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जीआरपी एस्कॉर्ट टीम ने हाजीपुर जंक्शन पर शव को ट्रेन से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृतक की पहचान सुपौल जिले के बीरपुर गांव के वार्ड नंबर 2 निवासी 45 वर्षीय लक्ष्मण मंडल के रूप में हुई है। लक्ष्मण मंडल करीब एक महीने पहले काम की तलाश में हरियाणा गए थे। रविवार को वह शहीद एक्सप्रेस की जनरल बोगी से घर लौट रहे थे। सोमवार शाम करीब 7 बजे रास्ते में उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ट्रेन में गश्त कर रही जीआरपी एस्कॉर्ट टीम को यात्री की मौत की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने हाजीपुर जंक्शन पर शव को ट्रेन से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जीआरपी ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। मंगलवार सुबह परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। लक्ष्मण मंडल के परिवार में चार बेटियां और एक बेटा है। जीआरपी थानाध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बिहार में अर्नब तूफान का असर, 13 जिलों में अलर्ट 29-30 अक्टूबर को भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी, पटना

बिहार में साइक्लोन ऑर्नब का असर दिखने लगा है। पटना में बारिश शुरू हो गई है। वहीं, बक्सर समेत कई जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्यभर में 28 अक्टूबर यानी आज से तेज हवा, बारिश और वज्रपात का सिलसिला शुरू होगा। राज्य के 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कुछ इलाकों में बिजली गिरने की भी आशंका है। बीते 24 घंटे में राज्य का मौसम सामान्य रहा। पटना, गया समेत कई जिलों में दिन में तेज धूप निकली। शाम में हल्के बादल छाए दिखे।

29-30 अक्टूबर को ज्यादा असर, 50 की रफ्तार से चलेगी हवाः मौसम विभाग के मुताबिक, 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक बिहार में बारिश हो सकती हैं।

पटना, गया समेत कई जिलों में दिन में तेज धूप निकली। शाम में हल्के बादल छाए दिखे

इस दौरान राज्य के कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। 29 और 30 अक्टूबर को मौसम ज्यादा खराब रहेगा। इन दो दिनों में कुछ इलाकों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है अर्नब तूफानः मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान अर्नब पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के बापटला और विशाखापत्तनम के बीच यानम के पास

तट पार करने का अनुमान है। तट पार करते समय तूफान की अधिकतम निरंतर हवा की रफ्तार 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे और झोंकों की रफ्तार 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। हालांकि, बिहार में इसका असर मुख्य रूप से बारिश, गरज-चमक और तेज हवा के रूप में देखने को मिलेगा। बिहार में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

पटना में कैसा रहेगा मौसमः राजधानी में आज मौसम में बदलाव के आसार हैं। आसमान में बादल छाने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। तूफान के प्रभाव से वातावरण में नमी बढ़ने के कारण अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं।

किसानों और आम लोगों को सावधानी बरतने की सलाहः लगातार बारिश और तेज हवाओं से खड़ी फसलों, बागानों, केले, पपीते, सहजन और आम के पेड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। किसानों को कटी हुई फसल सुरक्षित स्थान पर रखने और खेतों में जलनिकासी की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। गरज-चमक के दौरान लोगों को खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचना चाहिए। तेज हवा के दौरान कमजोर ढांचों और बिजली के खंभों से दूर रहें। मौसम विभाग के ताजा अलर्ट पर नजर बनाए रखें।

पटना स्नातक सीट पर नीरज जीते, कोसी में भाजपा की हैट्रिक

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद की 8 सीटों में से 6 सीटों का रिजल्ट आ गया है। पटना स्नातक सीट से जदयू के नीरज कुमार जीत गए हैं। वहीं कोसी स्नातक सीट पर बीजेपी के एनके यादव ने जीत की हैट्रिक लगाई है। नीरज कुमार की खिलाफत कर रहे अनंत सिंह ने कहा, 'मुझे वक्त नहीं मिला। मैं नीरज को जीत की बधाई नहीं दूंगा। मेरी नाराजगी पार्टी से नहीं नीरज से है।' वहीं तिरहुत स्नातक सीट से वंशीधर लगातार आगे चल रहे हैं।

चारों शिक्षक निर्वाचन सीट का रिजल्ट भी आ चुका है। पटना शिक्षक सीट पर 30 साल बाद नवल किशोर यादव की हार हुई है। भाजपा प्रत्याशी को राजद के डॉ. संजीव ने 1057 वोटों से मात दी है। तिरहुत शिक्षक सीट से बीजेपी के नरेन्द्र सिंह 600 वोटों से जीते। सारण शिक्षक सीट से बीजेपी के बागी और निर्दलीय राहुल राज ने 1815 वोट

अनंत सिंह बोले- पार्टी नहीं नीरज से नाराजगी है, तिरहुत से बंशीधर जीते

से बाजी मारी। दरभंगा में जनसुराज के सुरेश प्रसाद राय ने जीत दर्ज की है। चारों सीट पर सिटिंग MLC की हार हुई है। दरभंगा स्नातक सीट का रिजल्ट गुरुवार सुबह तक आने की संभावना है। डीएम कौशल कुमार ने बताया कि मतगणना की प्रक्रिया चल रही है। गुरुवार सुबह तक परिणाम आ जाएगा। बता दें कि चार स्नातक और चार शिक्षक सीट पर 23 अक्टूबर को हुए चुनाव में कुल 150 प्रत्याशी मैदान में हैं।

रिशु श्री टेंडर घोटाला-आईएएस धर्मेंद्र से ईडी ने पूछे सवाल 6 घंटे हुई पूछताछ, हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद कार्रवाई

एजेंसी, पटना

रिशु श्री से जुड़े टेंडर घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने जांच तेज कर दी है। ED के नोटिस पर IAS धर्मेंद्र कुमार बुधवार को पटना स्थित ED कार्यालय पहुंचे हैं। उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था। IAS धर्मेंद्र कुमार से ED की पूछताछ पूरी हो गई है। जो सुबह 11 बजे शुरू हुई थी एयर शाम 5 बजे तक चली। करीब 6 घंटे की पूछताछ में रिशु श्री से जुड़े कई सवाल पूछे गए। सूत्रों के अनुसार IAS अधिकारी से पूछा गया कि रिशु श्री से आपकी जान पहचान कैसे हुई थी? आप दोनों के बीच की नजदीकियों की वजह क्या थी?

आपको रिशु श्री ने विदेश टूर क्यों करवाया था? इस मामले में जरूरत पड़ने पर आगे ED की टीम आगे भी पूछताछ के लिए अपने ऑफिस बुला सकती है। इससे पहले सोमवार को IAS अभिलाषा कुमारी शर्मा और मंगलवार को IAS सुनील

यादव से ED की टीम ने पूछताछ की थी। सुनील यादव से करीब साढ़े सात घंटे तक सवाल-जवाब किए गए थे। ED इस मामले में बिहार के 6 IAS अधिकारियों को समन भेज चुकी है। जांच का केंद्र सरकारी टेंडरों में कथित अनियमितता और अधिकारियों के साथ रिशु श्री के संबंध हैं।

6 IAS अधिकारियों को भेजा गया समनः ED ने इस मामले में आनंद किशोर, संतोष कुमार मल्ल, धर्मेंद्र कुमार, योगेश कुमार सागर, अभिलाषा कुमारी शर्मा और सुनील यादव को समन भेजा था। योगेश कुमार सागर ने पूछताछ के लिए अगले सप्ताह का समय मांगा था। वहीं, आनंद किशोर समेत अन्य अधिकारियों को 30 अक्टूबर तक पूछताछ के लिए बुलाया गया था। ED की जांच में अधिकारियों और रिशु श्री के बीच कथित सांठगांठ की पड़ताल की जा रही है।

हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद तेज हुई कार्रवाईः रिशु श्री की जमानत याचिका विजिलेंस कोर्ट से खारिज होने के बाद उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 15 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने मामले में बड़े अधिकारियों की भूमिका और उनके खिलाफ हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि रिशु श्री एक छोटा मोहरा है और बड़े अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई है। इस टिप्पणी के बाद मामले में वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका को लेकर चर्चा तेज हुई। ED की ओर से IAS अधिकारियों को समन भेजे जाने को इसी जांच से जोड़कर देखा जा रहा है।

चुनाव जीतने के बाद नीरज कुमार ने लिया नीतीश कुमार का आशीर्वाद

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद के पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से लगातार चौथी बार जीत दर्ज करने के बाद जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता नीरज कुमार ने बुधवार को 7, सर्कुलर मार्ग स्थित आवास पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया । इस अवसर पर नीतीश कुमार ने उन्हें जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा 'न्याय के साथ विकास' के मूलमंत्र के अनुरूप जनसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने और जनता के विश्वास पर हमेशा खरा उतरने का कहा।

पार्टी कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने

उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार, निशांत एवं नीरज कुमार के समर्थन में जोरदार नारे लगाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

इस अवसर पर नीरज कुमार ने अपनी जीत का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और स्वास्थ्य मंत्री निशांत की विकासपरक जोड़ी को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, नीतियों और सिद्धांतों ने इस जीत को संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा, नेतृत्व के प्रति जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं के समर्पण का ही परिणाम है कि उन्हें लगातार चौथी बार जीत हासिल हुई है।

नीरज कुमार ने इस शानदार जीत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी अथक मेहनत, निष्ठा और समर्पण के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर जनसंपर्क अभियान चलाया और पूरी प्रतिबद्धता के साथ उनकी जीत सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई।

इस अवसर पर विधान परिषद् में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अरुण वर्मा, प्रदेश प्रवक्ता चंदन कुमार सिंह, छात्र जदयू के पूर्व अध्यक्ष राधे श्याम व अन्य नेतागण उपस्थित थे।

वैशाली में 20 लाख के अवैध पटाखे मिले

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 से 20 लाख रुपये के पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने स्टेशन रोड स्थित एक मकान में छापेमारी कर वहां रहने वाले सीताराम गुप्ता उर्फ पप्पू साह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान गोरौल के स्टेशन रोड स्थित एक मकान में अवैध पटाखों के भंडारण की सूचना मिली। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस टीम ने मकान में छापेमारी की। इस दौरान वहां से भारी मात्रा में पटाखे बरामद किए गए।

पुलिस ने मौके से सीताराम गुप्ता उर्फ पप्पू साह को गिरफ्तार किया। वह मोहन साह का बेटा है और स्टेशन रोड, गोरौल का निवासी है।

गोरौल में स्टेशन रोड के मकान में छापेमारी, व्यक्ति गिरफ्तार, भंडारण के नेटवर्क की जांच जारी

पटाखों के भंडारण और कारोबार की जांचः पुलिस बरामद पटाखों के संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है। साथ ही, यह पता लगाया जा रहा है कि पटाखों का भंडारण किन परिस्थितियों में किया गया था और इस कारोबार में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एनडीए के सुशासन और विकास की जीत, तथाकथित महागठबंधन को जनता ने पुनः नकारा

एजेंसी, पटना

बिहार प्रदेश जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बुधवार को बयान जारी कर पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से नीरज कुमार सहित एनडीए के सभी विजयी प्रत्याशियों की ऐतिहासिक जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही, उन्होंने एनडीए के कार्यकर्ताओं और शिक्षक-स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के प्रबुद्ध मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह विजय हमारे सर्वमान्य नेता एवं 'विकास पुरुष' नीतीश कुमार के पिछले 20 वर्षों के सुशासन और विकास कार्यों पर जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बीते 20 वर्षों के दौरान युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने, शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार लाने तथा शिक्षकों के हितों एवं अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए

हैं। इन कार्यों के प्रति मतदाताओं में एनडीए के पक्ष में खासा उत्साह देखने को मिला। यह चुनाव परिणाम उसी विश्वास को प्रमाणित करता है।

उन्होंने कहा बिहार के प्रबुद्ध एवं बुद्धिजीवी मतदाताओं ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं लोकप्रिय स्वास्थ्य मंत्री निशांत की विकासपरक जोड़ी पर भी भरोसा जताया है। यह जनसमर्थन बिहार को प्रगति के नए आयामों तक ले जाने के एनडीए के संकल्प को और मजबूती प्रदान करता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद इस चुनाव परिणाम ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि तथाकथित महागठबंधन दूर दूर तक एनडीए को चुनौती देने की स्थिति में नहीं है।

30 हजार रुपये रिश्वत लेते मधुबनी के यातायात डीएसपी गिरफ्तार

निगरानी की ट्रैप कार्रवाई के दौरान बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में इलाज के बाद विशेष न्यायालय में पेशी के लिए रवाना

बीएनएम @ मधुबनी/पटना

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मधुबनी के यातायात पुलिस उपाधीक्षक सुजीत कुमार को 30 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। 27 अक्टूबर को उनके कार्यालय परिसर में ट्रैप की कार्रवाई की गई। इस दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे जमीन पर गिरकर छटपटाने लगे। निगरानी टीम ने उन्हें तत्काल सदर अस्पताल, मधुबनी पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया गया। निगरानी ब्यूरो के अनुसार, मधुबनी जिले के सकरी थाना क्षेत्र के गंधवारी निवासी रोहित मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वे अपने टिपर ट्रक से पीला बालू लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रांटी चौक पर यातायात डीएसपी ने उनकी गाड़ी रोक दी। आरोप है कि गाड़ी छोड़ने के एवज में एक लाख रुपये की मांग की गई। शिकायतकर्ता ने दबाव में 50 हजार रुपये देने की बात कही। इसके बाद 500 रुपये का चालान काटा गया और उसे जमा करने पर गाड़ी छोड़ी गई। परिवादी का आरोप था कि इसके बाद भी डीएसपी द्वारा कम से कम 20 हजार रुपये और देने तथा गाड़ी चलाने के एवज में हर महीने 15 हजार रुपये रिश्वत देने का दबाव बनाया जा रहा था।

अंगरक्षक के पास फेंका बैग, 30 हजार रुपये बरामद- शिकायत के सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद निगरानी थाना कांड संख्या 125/26 दर्ज किया गया। वरीय पुलिस उपाधीक्षक पवन कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने 27 अक्टूबर की शाम कार्रवाई की। निगरानी ब्यूरो के मुताबिक, डीएसपी ने तबीयत बिगड़ने से पहले रिश्वत की राशि वाला बैग अपने अंगरक्षक की ओर फेंक दिया। बैग से 30 हजार रुपये बरामद किए गए। चिकित्सकीय अनुमति मिलने के बाद उनके हाथ धुलवाए गए और उन्हें गिरफ्तार किया गया। 28 अक्टूबर की शाम चिकित्सकों ने उनकी स्थिति सामान्य बताई। इसके बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दिलाकर विशेष न्यायालय, निगरानी, मुजफ्फरपुर में पेश करने के लिए ले जाया गया।

इस साल 115 ट्रैप मामलों में गिरफ्तारी- निगरानी ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2026 में भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक 126 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, जबकि एक मामला दूसरे जिले से स्थानांतरित हुआ है। ब्यूरो के मुताबिक, यह वर्ष का 115वां ट्रैप मामला है। इन मामलों में अब तक 115 आरोपितों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है। रिश्वत के रूप में कुल 40 लाख 19 हजार 400 रुपये बरामद किए गए हैं।

हरसिद्धि में अतिक्रमण हटाने पहुंचा पुलिस बल बैरंग लौटा

अंचलाधिकारी की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल; भ्रष्टाचार के पुराने आरोप भी चर्चा में

बीएनएम @ सागर सूरज

मोतिहारी। हरसिद्धि प्रखंड के ओल्हा बाजार में अतिक्रमण हटाने पहुंचा भारी पुलिस बल बिना कार्रवाई किए वापस लौट गया। 27 अक्टूबर को जिला एवं अनुमंडल स्तर से दंडाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाए जाने से अंचल प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मौजा ओल्हा के खाता संख्या 284 और खेसरा संख्या 406 से जुड़े अतिक्रमण वाद में कार्रवाई के लिए प्रशासनिक स्तर पर पहले से तैयारी किए जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद अंतिम समय में कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। उपलब्ध पत्राचार के अनुसार, अंचल कार्यालय हरसिद्धि ने अतिक्रमण वाद संख्या 16/2025-26 के तहत कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन और अनुमंडल पदाधिकारी, अरेराज से पुलिस बल एवं दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति का अनुरोध किया था। इसके लिए पत्रांक 811, दिनांक 29 जुलाई 2026 तथा पत्रांक 866, दिनांक 20 अगस्त 2026 का हवाला दिया गया है। वहीं, पत्रांक 1093,

दिनांक 21 अक्टूबर 2026 के माध्यम से 27 अक्टूबर को अतिक्रमण हटाने के लिए 50 पुरुष और 30 महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती का अनुरोध किए जाने की जानकारी है। स्थानीय पक्ष के अनुसार, अतिक्रमणकारियों की अपील वाद संख्या 118/2026-27 भी जिला समाहर्ता-सह-जिला दंडाधिकारी के न्यायालय से खारिज हो चुकी है। इन दावों की पुष्टि संबंधित आदेशों और मूल पत्राचार से की जानी आवश्यक है। पुलिस बल की तैनाती और प्रशासनिक तैयारी के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। इसी को लेकर स्थानीय लोग अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पूरी थी, तो मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस बल को वापस क्यों लौटाया गया? क्या किसी प्रशासनिक आदेश, कानूनी अड़चन या अन्य कारण से कार्रवाई रोकी गई? ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और अगली कार्रवाई की तारीख सार्वजनिक करने की मांग की है। इस प्रकरण के बीच अंचलाधिकारी श्री चौधरी पर पहले भी कथित भ्रष्टाचार और जमीन संबंधी अनियमितताओं के आरोप लगने की बात कही जा रही है। आरोप है कि रिश्वत लेकर कथित फर्जी जमाबंदी कायम करने, रैयती भूमि पर पट्टा जारी कराने तथा जमीन पर अवैध कब्जा करवाने जैसे मामलों में उनके विरुद्ध मुकदमे चल रहे हैं। ओल्हा बाजार प्रकरण ने एक बार फिर भूमि विवादों में अंचल प्रशासन की जवाबदेही का सवाल खड़ा कर दिया है। यदि अतिक्रमण हटाने का आदेश प्रभावी है और उस पर रोक लगाने वाला कोई अन्य आदेश नहीं है, तो कार्रवाई टलने का स्पष्ट कारण जनता के सामने आना चाहिए। वहीं, यदि कोई कानूनी या प्रशासनिक बाधा थी, तो उसका भी लिखित विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और जमीन से जुड़े पुराने आरोपों की निष्पक्ष पड़ताल की मांग की है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह पुलिस बल की वापसी के कारणों की जांच कराता है या नहीं, अंचलाधिकारी पर लगाए गए आरोपों की स्थिति स्पष्ट करता है या नहीं और ओल्हा बाजार में अतिक्रमण हटाने की अगली तारीख कब निर्धारित होती है। इस संबंध में अंचलाधिकारी से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन सम्पर्क नही हो सका जिसके आधिकारिक पक्ष भी सामने आना बाकी है।

तकनीकी विद्यार्थियों को स्टार्टअप और उद्यमिता के प्रति किया गया जागरूक

बीएनएम @ मोतिहारी

राजकीय पॉलिटेक्निक, मोतिहारी में बुधवार को 'स्टार्टअप के लिए सरकारी नीतियां एवं वित्तीय सहायताः नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से डिप्लोमा इंजीनियरों को सशक्त बनाना' विषय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य डिप्लोमा इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को स्टार्टअप, नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के साथ-साथ सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय सहायता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य डॉ. सत्यदेव कुमार राम की उपस्थिति में जिला उद्योग केंद्र, पूर्वी चंपारण के महाप्रबंधक अंकित कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी अंकित राज, संस्थान के स्टार्टअप समन्वयक एवं व्याख्याता किशन कुमार तथा आईटीआई अनुदेशक सुमन कुमार उपस्थित रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अंकित कुमार ने विद्यार्थियों को पारंपरिक नौकरी के साथ उद्यमिता और स्वरोजगार को भी करियर के महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा अपने ज्ञान, कौशल और नवाचार के बल पर स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए नए व्यावसायिक विचार विकसित कर सकते हैं। उचित मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और सरकारी योजनाओं के सहयोग से इन विचारों को सफल उद्यम में बदला जा सकता है। उन्होंने बिहार सरकार की स्टार्टअप संबंधी पहलों तथा उद्योग विभाग के माध्यम से उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने पर जोर दिया। वहीं, जिला नियोजन पदाधिकारी अंकित राज ने विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत कराते हुए उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप अपने तकनीकी कौशल को विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कौशल विकास, बेहतर करियर नियोजन और उद्यमशील सोच युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान के प्राचार्य डॉ. सत्यदेव कुमार राम ने कहा कि पॉलिटेक्निक के विद्यार्थी अपनी तकनीकी दक्षता और व्यावहारिक ज्ञान के माध्यम से नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नए विचारों के साथ आगे आने और उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को पहचानने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्टार्टअप स्थापित करने की प्रक्रिया, व्यावसायिक विचारों की पहचान, सरकारी योजनाओं के तहत संभावित वित्तीय सहायता, उद्यम स्थापना के लिए आवश्यक मार्गदर्शन तथा तकनीकी नवाचार को उपयोगी उत्पादों एवं सेवाओं में बदलने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। संस्थान के स्टार्टअप समन्वयक एवं व्याख्याता किशन कुमार ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। वहीं, आईटीआई अनुदेशक सुमन कुमार की उपस्थिति में तकनीकी एवं कौशल आधारित शिक्षा के जरिए स्वरोजगार की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। संगोष्ठी में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि नवाचार को बढ़ावा देना, रोजगार के नए अवसर सृजित करना और स्थानीय आर्थिक विकास में योगदान देना भी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की भावना विकसित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर राष्ट्र के आर्थिक विकास में सहभागी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

पिपराकोठी प्रखंड के पंचायतों में कचरा उठाव ठप, भुगतान पर सवाल

टिकैता- गोविंदापुर, पंडितपुर व सलेमपुर समेत कई पंचायतों में स्वच्छता व्यवस्था बदहाल, बीडीओ ने जांच का दिया आश्वासन

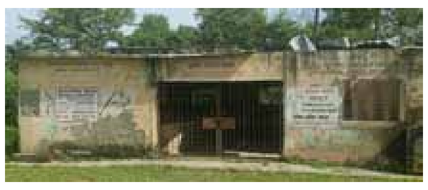

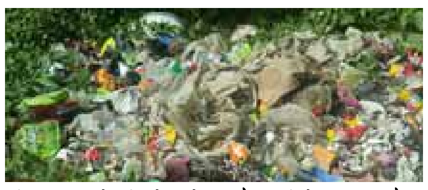

बीएनएम @ राकेश कुमार

मोतिहारी। पिपराकोठी प्रखंड की कई पंचायतों में कचरा उठाव ठप रहने से स्वच्छता व्यवस्था की पोल खुल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों से कचरा उठाव नियमित रूप से नहीं हो रहा है, जबकि स्वच्छता सुपरवाइजर और ठेला चालकों के वेतन का भुगतान किया जा रहा है। ऐसे में सरकारी राशि के खर्च और स्वच्छता अभियान के क्रियान्वयन पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, टिकैता गोविंदापुर, पंडितपुर और सलेमपुर समेत कई पंचायतों के वार्डों में कचरा प्रबंधन की स्थिति बदहाल है। नियमित उठाव नहीं होने से जगह-जगह कचरे का अंबार लगा है। इससे राहगीरों को दुर्गंध के बीच गुजरना पड़ रहा है। वहीं, गंदगी के कारण बीमारियों के फैलने की आशंका से भी लोग परेशान हैं। ग्रामीणों का दावा है कि कचरा प्रबंधन के नाम पर हर महीने लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद पंचायतों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं है। लोगों ने संबंधित कर्मियों की उपस्थिति, कार्यों और भुगतान की जांच कराने की मांग की है। हालांकि, सरकारी राशि के खर्च और भुगतान से संबंधित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई–मामले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रखंड स्वच्छता प्रभारी के माध्यम से संबंधित पंचायतों में कचरा उठाव की स्थिति की जांच कराई जाएगी। जांच के दौरान संबंधित कर्मियों के कार्यों और उनकी भूमिका की भी पड़ताल होगी। यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची से कटे नामों की पहचान कर सूची तैयार करेगी कांग्रेसः राघवेन्द्र कुमार सिंह

बीएनएम @ मोतिहारी

'वोट बचाओ, देश बचाओ' कार्यक्रम को लेकर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में जिला कांग्रेस कार्यालय, प्रजापति आश्रम, बंजरिया पंडाल में बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल ने की। इसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जिला पर्यवेक्षक एवं छत्तीसगढ़ के अकलतरा से विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पर्यवेक्षक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि मतदाता सूची से जिन लोगों के नाम कट गए हैं, उनकी पहचान कर कांग्रेस पार्टी सूची तैयार करेगी। इसके लिए गांव-गांव में चौपाल लगाकर लोगों से संवाद किया जाएगा तथा मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर आगामी 1 नवंबर को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' कार्यक्रम में मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी के सैकड़ों कार्यकर्ता भाग लेंगे। संगठन जिला प्रभारी राशिद चौधरी ने कहा कि मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले सभी 13 प्रखंडों में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को लेकर व्यापक स्तर पर जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गांव-गांव में चौपाल लगाकर लोगों से संवाद किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन में विभिन्न पदों

पर रहते हुए निष्क्रिय रहने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ अनुशासन के तहत कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बगहा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी जयेश मंगल सिंह ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। बैठक में पूर्वी चंपारण कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र शुक्ला, मोतिहारी महानगर अध्यक्ष राहुल शर्मा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव -सह- सोशल मीडिया प्रभारी दिलनवाज राशिद, कांग्रेस इंटक नेता रौशन दूबे, बिहार प्रदेश कांग्रेस महासचिव अभिजित सिंह चौहान, पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद, वरिष्ठ कांग्रेसी मदन चौधरी, बिहार कांग्रेस किसान सेल के विजयकांत त्रिपाठी, संजीव कुमार सिंह उर्फ टुन्नी सिंह और रघुनाथ प्रसाद गुप्ता सहित अन्य कांग्रेसी नेता उपस्थित रहे।

71वीं वाहिनी एसएसबी ने विद्यार्थियों को कराया शैक्षिक भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्था और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी की ओर से कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में पूर्वी चंपारण जिले के रघुनाथपुर स्थित बालगंगा के आर्य विद्यापीठ के छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को वाहिनी मुख्यालय परिसर का भ्रमण कराया गया और सशस्त्र सीमा बल की कार्यप्रणाली, दायित्वों तथा विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सशस्त्र सीमा बल के इतिहास एवं परिचय, बल में भर्ती की प्रक्रिया, रोजगार एवं करियर की संभावनाओं, हथियारों से संबंधित सामान्य जानकारी और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया गया। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा देश की सुरक्षा में सशस्त्र सीमा बल की भूमिका के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया गया। इस शैक्षिक भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षा बलों की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सुरक्षा बलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उनके कार्यों के प्रति समझ विकसित करने तथा राष्ट्रसेवा के प्रति रुचि जगाना रहा। इस अवसर पर आर्य विद्यापीठ के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ 71वीं वाहिनी के अधिकारी एवं अन्य जवान उपस्थित रहे।

नशा मुक्त बिहार अभियान को सफल बनाने के लिए डीएम ने की समीक्षा बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए अभियान की सफलता को लेकर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को शहर के समाहरणालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में पूर्वी चंपारण जिले में नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा आम लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि 'नशा मुक्त बिहार अभियान' का शुभारंभ 27 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। 'नशे की जंजीर तोड़ो, खुशहाल जीवन से नाता जोड़ो' के संदेश के साथ जिले में एक माह तक सघन जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में सहायक आयुक्त, मद्य निषेध, पूर्वी चंपारण ने अभियान की रूपरेखा

प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसे चार चरणों में विभाजित किया गया है। इसके तहत 27 से 31 अक्टूबर तक प्रथम चरण में 'नगर की प्रतिज्ञा', 1 से 7 नवंबर तक द्वितीय चरण में 'गांव का संकल्प', 8 से 16 नवंबर तक तृतीय चरण में 'पर्व और परिवार' तथा 17 से 25 नवंबर तक चतुर्थ चरण में 'युवा जोश' थीम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रथम चरण के तहत नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके अंतर्गत नगर निकायों के कार्यालय भवनों और सार्वजनिक शौचालयों की दीवारों पर मद्य निषेध से संबंधित स्लोगन लिखे जाएंगे। बस स्टैंडों और सार्वजनिक बाजारों में पोस्टर एवं बैनर लगाए जाएंगे। इसके अलावा नगर निकायों के सार्वजनिक कार्यों में उपयोग होने वाले वाहनों के माध्यम से जागरूकता संबंधी विशेष ऑडियो जिंगल का प्रसारण किया जाएगा। नुक्कड़ नाटकों के जरिए भी लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाएगा। पंचायती राज विभाग की ओर से सभी ग्राम पंचायत भवनों पर मद्य निषेध से संबंधित स्लोगन अंकित कराने के साथ बैनर और पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त नशा मुक्ति वाहन और एलईडी वैन के माध्यम से भी जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। जन-जागरूकता अभियान में जीविका की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जीविका के माध्यम से मद्यपान एवं अन्य नशों के दुष्प्रभावों तथा नशामुक्त जीवन के लाभों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके लिए जीविका दीदियों के बीच से एक समर्पित 'नशा मुक्ति मित्र' का चयन कर प्रत्येक ग्राम पंचायत में जागरूकता अभियान को गति दी जाएगी। शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में मद्य निषेध विषय पर निबंध लेखन, वाद-विवाद और अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही कला जत्था के माध्यम से नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर आम लोगों तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने अभियान की सफलता के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने जिला स्तर पर बड़े जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश सहायक आयुक्त, मद्य निषेध, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी को दिया। उक्त बैठक में नगर आयुक्त आशीष कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सहायक आयुक्त मद्य निषेध, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और जीविका के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने एमजेके बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बुधवार को सुबह 10 बजे मोतिहारी नगर क्षेत्र स्थित एमजेके बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, शैक्षणिक गतिविधियों तथा उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि एमजेके बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिले का एक आदर्श विद्यालय (मॉडल स्कूल) है। उक्त निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्री यादव ने विद्यालय में संचालित प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लास, खेलकूद सामग्री एवं संगीत कक्ष का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित शिक्षकों से इन सुविधाओं के संचालन एवं उपयोग के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही

विद्यालय प्रबंधन को परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अभियान कायाकल्प के तहत विद्यालय भवन एवं चहारदीवारी का रंग-रोगन कराने का भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने विद्यालय के प्राचार्य से शिक्षकों की उपस्थिति तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति से संबंधित जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने कक्षा नौ में पहुंचकर शिक्षण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा में पढ़ाए जा रहे पाठ को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उनसे संवाद भी किया।जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने, शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए नियमित अध्ययन और अनुशासन के महत्व पर भी जोर दिया। निरीक्षण के अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर मोतिहारी भी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में 18 आवेदकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के तहत जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई की। शाम चार बजे से आयोजित इस जनसुनवाई में उन्होंने आम लोगों से सीधे मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कुल 18 लोगों की समस्याएं सुनी गईं। जनसुनवाई में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार भी उपस्थित रहे। वहीं, संबंधित अंचलों के अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे। ढाका अंचल के मो. नेजाम आलम ने बताया कि उनके पिता ढाका थाना में दफादार के पद पर कार्यरत थे, जिनकी वर्ष 2025 में सेवाकाल के दौरान मृत्यु

हो गई थी। उन्होंने अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के लिए आवेदन दिया था। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थापना उपसमाहर्ता को आवेदन भेजकर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया। तुरकौलिया अंचल के वासुदेव राय ने अपनी पुश्तैनी जमीन पर एक ग्रामीण द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि संबंधित जमीन पर अवैध रूप से खादर एवं गोबर रखा जाता है। विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट की धमकी भी दी जाती है। उन्होंने मामले की जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। इस पर जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचल अधिकारी, तुरकौलिया से बात की और आवेदन की शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं, चकिया अंचल की अंजली देवी, पति कृष्णानंद राम, ने बासगीत जमीन का पर्चा उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि रामगढ़वा महुआ पंचायत के वार्ड संख्या-4 स्थित कुड़िया बंगरी गांव में पीसीसी सड़क के किनारे गैरमजरुआ जमीन पर उनका घर है, जहां वह वर्षों से रह रही हैं। इसके बावजूद अब तक उन्हें बासगीत पर्चा नहीं मिला है। जिलाधिकारी ने उनके आवेदन को आवश्यक निर्देश के साथ अंचल अधिकारी, चकिया के पास भेजने का निर्देश दिया। पकड़ीदयाल अंचल के नवादा गांव निवासी चितरंजन सिंह ने अपनी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अंचल अधिकारी एवं स्थानीय थाना में आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि उनके साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है। जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचल अधिकारी, पकड़ीदयाल से बात की और मामले की शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हरसिद्धि अंचल के भादा गांव निवासी रीना देवी ने शिकायत की कि अंचल अधिकारी, हरसिद्धि द्वारा दिनांक 10 दिसंबर 2025 को अतिक्रमण अपील वाद संख्या 92/2023-24 में आदेश पारित किए जाने के बावजूद अब तक संबंधित भूमि को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया है। जिलाधिकारी ने अंचल अधिकारी, हरसिद्धि को मामले की पुनः जांच कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त अन्य आवेदनों पर भी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनना, संबंधित विभागों के माध्यम से उनका समाधान कराना तथा प्रशासनिक कार्रवाई में तेजी लाना है।

संक्षिप्त समाचार

पलनवा को प्रखंड का दर्जा देने की मांग तेज, युवाओं में आक्रोश

बीएनएम@ रामगढ़वा। रक्सौल और रामगढ़वा प्रखंडों के अंतर्गत आने वाले पलनवा क्षेत्र को स्वतंत्र प्रखंड का दर्जा देने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। लंबे समय से लंबित इस मांग को लेकर स्थानीय युवाओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं, मांग को लेकर आंदोलन की सुगबुगाहट भी तेज हो गई है। युवा सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व पैक्स प्रत्याशी रामप्रकाश रौशन के नेतृत्व में पलनवा को प्रखंड बनाने की मांग को लेकर बैठकों का दौर जारी है। इस क्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श कर आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है। रामप्रकाश रौशन ने कहा कि पलनवा को प्रखंड बनाने का प्रस्ताव काफी पहले सामने आ चुका है, लेकिन जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों की उदासीनता के कारण अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण मांग को अब और अधिक समय तक नजरअंदाज नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराने के उद्देश्य से आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पलनवा को प्रखंड का दर्जा मिलने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। प्रशासनिक कार्यों के लिए लोगों को होने वाली परेशानियों में कमी आएगी तथा रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ही आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पलनवा को प्रखंड बनाने की मांग केवल प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़ी नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास और लोगों की अपेक्षाओं से भी जुड़ी है। वहीं, स्थानीय युवाओं का कहना है कि अब इस मांग को लेकर निर्णायक पहल की जरूरत है। यदि समय रहते सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जा सकता है।

होटलों व मिठाई दुकानों पर प्रशासन की छापेमारी, मिठाइयों के लिए गए सैंपल

बीएनएम@ पकड़ीदयाल। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में एसडीएम मंगला कुमारी और डीएसपी कुमार चंदन ने अधिकारियों की टीम के साथ क्षेत्र के विभिन्न होटलों और मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई प्रतिष्ठानों में मिठाइयों की गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल एकत्र किए गए। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की पड़ताल करना और आम लोगों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करना बताया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई। अचानक हुई इस जांच से होटल और मिठाई दुकान संचालकों के बीच हलचल देखी गई। वहीं, प्रशासन की इस पहल से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। मिठाइयों के सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही उनकी गुणवत्ता को लेकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, प्रशासन की इस कार्रवाई को खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता की निगरानी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पानी भरे गड्ढे में डूबने से डेढ़ वर्षीय मासूम की मौत, गांव में पसरा मातम

बीएनएम@ घोड़ासहन। थाना क्षेत्र के कस्वा बरवा गांव में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में डेढ़ वर्षीय मासूम की जान चली गई। घर के पास खेलते समय पानी से भरे गड्ढे में गिरने से बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी जियालाल राय के पुत्र ऋतिक कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 11 बजे ऋतिक अपने घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान खेलते-खेलते वह पड़ोसी कामेश्वर राय के घर के समीप पानी की निकासी के लिए खोदे गए गड्ढे में गिर गया। गड्ढे में पानी जमा होने के कारण वह डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मासूम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रथम दृष्टया बच्चे की मौत पानी भरे गड्ढे में डूबने से हुई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल पीड़ित परिवार की ओर से कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वैज्ञानिक खेती से बढ़ेगी पैदावार, किसानों की आमदनी में होगा इजाफा

बीएनएम@ छौड़ादानो

रबी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आमदनी में इजाफा करने के उद्देश्य से बुधवार को छौड़ादानों प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड स्तरीय रबी महोत्सव -सह- कृषि कर्मशाला का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को गेहूं, मक्का, दलहन एवं तिलहन की उन्नत खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि परियोजना के उपनिदेशक राजीव प्रियदर्शी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी कुमार रामानुजम, प्रखंड कृषि पदाधिकारी नितेश कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक आशीष कुमार एवं सांसद प्रतिनिधि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर श्रीगणेश किया। कर्मशाला में किसानों को रबी मौसम के अनुकूल फसलों का चयन करने, समय पर बुआई करने तथा प्रमाणित एवं उन्नत किस्म के बीजों का उपयोग करने की सलाह दी गई। वहीं, प्रखंड कृषि पदाधिकारी नितेश कुमार ने कहा कि किसान फसल विविधीकरण अपनाकर और नगदी फसलों की खेती पर ध्यान देकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अनुदानित दर पर बीज प्राप्त करने के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। कृषि विशेषज्ञों ने बेहतर उत्पादन के लिए मिट्टी की जांच को महत्वपूर्ण बताते हुए खेतों की उर्वरा शक्ति के अनुरूप खाद एवं उर्वरकों के इस्तेमाल पर जोर दिया। किसानों को बीजोपचार, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, कीट एवं रोगों से फसलों की सुरक्षा और उचित सिंचाई प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही जैविक खाद के उपयोग तथा फसल अवशेषों का समुचित प्रबंधन कर मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए किसानों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि यंत्रों पर मिलने वाले अनुदान, फसल बीमा तथा किसान पंजीकरण से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। कृषि अधिकारियों ने किसानों से विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने और पंजीकरण के दौरान सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान कृषि विभाग के कर्मियों के संपर्क में रहकर समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त करें, ताकि खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। वक्ताओं ने कहा कि बदलते मौसम और खेती की बढ़ती लागत के बीच वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना समय की मांग है। मिट्टी की आवश्यकता के अनुसार पोषक तत्वों का इस्तेमाल, समय पर बुआई, उन्नत बीजों का चयन और फसलों की नियमित निगरानी से उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से कृषि क्षेत्र में विकसित हो रही नई तकनीकों की जानकारी हासिल कर उन्हें व्यवहार में उतारने का आह्वान किया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र तिवारी, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष रामदेव राय, उपाध्यक्ष मनोज साह, सहायक तकनीकी प्रबंधक सजादुल हसन, कृषि समन्वयक मो. जिआउर रहमान, किसान सलाहकार पप्पू कुमार सहित किसान हरिकिशोर शर्मा, शाही यादव, महेश अग्रवाल, निरंजन सिंह, रणविजय सिंह, मो. हासिम, वकील सिंह, राजेंद्र यादव एवं त्रिभुवन कुमार समेत बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

5.40 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

» गुप्त सूचना पर बीजधरी पुलिस की कार्रवाई, घर से मिलीं ऑफिसर चॉइस व्हिस्की की 30 बोतलें

बीजधरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 5.40 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान कमलेश कुमार यादव (38) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके घर से ऑफिसर चॉइस व्हिस्की की 30 बोतलें बरामद की हैं। बरामद शराब की कुल मात्रा 5.40 लीटर बताई गई है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिलने के बाद बीजधरी थाना की टीम ने संबंधित ठिकाने पर छापेमारी की। इस दौरान शराब बरामद होने पर कमलेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बीजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। शराब बरामदगी के मामले में गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है।

एनीमिया पर वार: वैशाली में अब दवा के बाद भी होगी निगरानी

बीएनएम @ वैशाली

खून की कमी यानी एनीमिया से लड़ाई में अब केवल जांच और दवा देना ही नहीं, बल्कि उपचार के बाद भी लाभार्थियों की निगरानी पर जोर दिया जा रहा है। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत वैशाली जिले में टॉक, टेस्ट, ट्रीट और ट्रैक की रणनीति अपनाई जा रही है, ताकि नियमित दवा सेवन सुनिश्चित हो और हीमोग्लोबिन में सुधार का आकलन किया जा सके। धर्मपुर चौक की ममता कुमारी इसका उदाहरण हैं। उनके मामले से स्पष्ट होता है कि एनीमिया से निपटने में जांच और उपचार के साथ सही जानकारी तथा स्वास्थ्यकर्मियों का लगातार संपर्क भी महत्वपूर्ण है।अप्रैल से सितंबर 2026 की जिला रिपोर्ट के अनुसार, गर्भवती महिलाओं के लिए निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 98 प्रतिशत और धात्री महिलाओं के लिए 101 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। वहीं, प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में यह उपलब्धि 82 प्रतिशत रही। बच्चों में छह से 59 माह आयु वर्ग को आयरन-फोलिक एसिड सिरप देने में 53 प्रतिशत और पांच से नौ वर्ष के स्कूली बच्चों को गुलाबी आयरन-फोलिक एसिड गोली देने में 49 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज हुई। ये आंकड़े बच्चों तक सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की जरूरत भी दर्शाते हैं। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विशाल प्रकाश ने बताया कि एनीमिया नियंत्रण के लिए नियमित दवा सेवन और उपचार की निरंतरता जरूरी है। वहीं, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक (डीसीएम) निभा रानी सिन्हा ने कहा कि लाभार्थियों से लगातार संपर्क बनाए रखने से दवा सेवन में आने वाली समस्याओं को समझने और समय पर सहायता देने में मदद मिलती है। आयरन-फोलिक एसिड की निर्धारित खुराक के साथ दाल, चना, हरी पत्तेदार सब्जियां और विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करना भी महत्वपूर्ण है। अभियान का उद्देश्य केवल दवा वितरित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि लाभार्थी नियमित उपचार करें और उनके हीमोग्लोबिन स्तर में सुधार हो। इसके लिए फॉलोअप, जरूरत के अनुसार जांच और स्वास्थ्यकर्मियों की सलाह को अहम माना जा रहा है।

आवास योजना पर घूसखोरी के आरोप से मचा हड़कंप, ट्रांसफर के बाद दोबारा पोस्टिंग पर उठे सवाल

बीएनएम @ अमलेश कुमार

आवास सहायक विनोद कुमार

प्रखंड विकास पदाधिकारी रक्सौल, राजू कुमार

रक्सौल। पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल प्रखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुकों के चयन को लेकर कथित अवैध वसूली और प्रशासनिक नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत राज नोनियाडीह में तैनात आवास सहायक विनोद कुमार पटेल पर लाभुकों के चयन के नाम पर प्रति व्यक्ति 2,000 रुपये मांगने, अपात्र लोगों के नाम सूची में शामिल करने और जरूरतमंद गरीबों को वंचित करने के आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर पंचायत के कई वार्ड सदस्यों ने जिलाधिकारी से लिखित शिकायत कर जांच और कार्रवाई की मांग की है। वहीं, आवास सहायक ने आरोपों को निराधार बताया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आवास सहायक विनोद कुमार पटेल ने पूर्व में अपना कार्यकाल रक्सौल प्रखंड में पूरा किया था। इसके बाद उनका तबादला ढाका प्रखंड में कर दिया गया था। हालांकि, बाद में उनकी पोस्टिंग दोबारा रक्सौल प्रखंड में हो गई। इसको लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं कि कार्यकाल पूरा करने और दूसरे प्रखंड में स्थानांतरित किए जाने के बाद उन्हें फिर से रक्सौल में तैनात करने का आधार क्या था? जनप्रतिनिधियों ने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। आरोप है कि नोनियाडीह पंचायत में कथित अवैध वसूली का मामला उस समय सामने आया, जब वार्ड संख्या- 3 के सदस्य दीपक कुमार, वार्ड संख्या- 4 के सदस्य मुराद आलम, वार्ड संख्या- 15 के सदस्य विनय प्रसाद और उमेश महतो ने जिलाधिकारी को लिखित शिकायत भेजी। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि आवास योजना की सूची में नाम शामिल करने के एवज में प्रति लाभुक 2,000 रुपये की मांग की जा रही है। उनका कहना है कि कथित तौर पर पैसे देने वाले अपात्र व्यक्तियों के नाम भी सूची में शामिल किए जा रहे हैं, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर और वास्तविक जरूरतमंद लोग योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि लाभुकों के चयन में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है या नहीं।शिकायत में आवास सहायक पर विरोध करने वाले जनप्रतिनिधियों के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार करने और धमकी देने के आरोप भी लगाए गए हैं। वार्ड सदस्यों का दावा है कि जब उन्होंने लाभुकों के चयन में कथित गड़बड़ी को लेकर सवाल उठाए, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, आवास सहायक ने कथित तौर पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराकर जेल भिजवाने की धमकी भी दी। इन आरोपों की भी जांच की जानी है। संबंधित पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उक्त मामले की शिकायत जिलाधिकारी तक पहुंचने के बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई की पहल की है। जिलाधिकारी के निर्देश पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने पत्रांक- 2726 जारी कर रक्सौल के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को सात दिनों के भीतर मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इस निर्देश के बाद अब जांच रिपोर्ट पर सबकी नजरें टिकी हैं। जांच में शिकायतकर्ताओं के आरोपों, लाभुकों की सूची, पात्रता संबंधी अभिलेखों और आवास सहायक की पदस्थापना से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल अहम मानी जा रही है। इस संबंध में रक्सौल के प्रखंड विकास पदाधिकारी राजू कुमार से फोन पर संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि अभी तक मामले की जांच नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि जिला स्तर से एक टीम जांच के लिए आएगी। वहीं, आवास सहायक विनोद कुमार पटेल ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया। रक्सौल प्रखंड में दोबारा पदस्थापना के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उनकी पोस्टिंग उप विकास आयुक्त (डीडीसी) के स्तर से की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराना है। ऐसे में यदि लाभुकों के चयन में अवैध वसूली या अपात्र व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने जैसी अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं, तो यह योजना की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करेगा। फिलहाल, मामला जांच के दायरे में है। अब देखना होगा कि निर्धारित समयसीमा के भीतर जांच पूरी कर प्रशासन क्या निष्कर्ष सामने लाता है और आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है। स्थानीय स्तर पर शिकायतकर्ताओं ने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और वास्तविक जरूरतमंदों को योजना का लाभ सुनिश्चित करने की मांग की है।

कालाजार-फाइलेरिया उन्मूलन को मिलेगी नई रफ्तार

बीएनएम @ शिवहर

कालाजार और फाइलेरिया जैसी गंभीर वेक्टर जनित बीमारियों के उन्मूलन अभियान को गति देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को डुमरी कटसरी प्रखंड मुख्यालय में स्वास्थ्य विभाग की अहम बैठक आयोजित की गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (सीएचओ) के साथ विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और फाइलेरिया मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक रणनीति तैयार की गई। उक्त बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने सभी स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) के संचालन और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भागीदारी और नियमित निगरानी बेहद जरूरी है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंच सके। फाइलेरिया मरीजों की बेहतर देखभाल और बीमारी से उत्पन्न दिव्यांगता की रोकथाम को लेकर बैठक में विशेष चर्चा की गई। इस दौरान रुग्णता प्रबंधन एवं दिव्यांगता रोकथाम (एमएमडीपी) पर कार्यशाला आयोजित करने की रणनीति बनाई गई। इसके माध्यम से फाइलेरिया से प्रभावित मरीजों को बीमारी के प्रबंधन, प्रभावित अंगों की साफ-सफाई, नियमित देखभाल और संक्रमण से बचाव के जरूरी उपायों की जानकारी देने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही फाइलेरिया से ग्रसित पात्र मरीजों की पहचान कर उन्हें दिव्यांगता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में सहयोग देने तथा सरकारी पेंशन योजनाओं से जोड़ने पर भी चर्चा हुई। इसका उद्देश्य बीमारी से प्रभावित लोगों को बेहतर देखभाल के साथ सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिलाना और उनके जीवन को अधिक सुगम बनाना है। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि कालाजार और फाइलेरिया जैसी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए केवल उपचार ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है। इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखने, संभावित मरीजों की समय पर पहचान कराने और आवश्यक जांच एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, समुदाय के लोगों को बीमारियों से बचाव और समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने के प्रति जागरूक करने पर बल दिया गया। बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक संजय कुमार, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक सतेंद्र कुमार, वेक्टर जनित रोग पर्यवेक्षक राजीव कुमार, संचारी रोग कार्यक्रम पदाधिकारी नवीन कुमार मिश्रा तथा पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर रोहित कुमार सहित बड़ी संख्या में एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया अस्मिता जोनल लीग में चमकीं पुष्पांजलि, आठवां स्थान हासिल कर बढ़ाया जिले का मान

बीएनएम @ मोतिहारी

खेलो इंडिया अस्मिता जोनल लीग ईस्ट जोन (2025-26) में पूर्वी चंपारण की फेंसर पुष्पांजलि कुमारी ने आठवां स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों में खुशी है। पुष्पांजलि के प्रदर्शन पर पूर्वी चंपारण जिला तलवारबाजी संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने प्रसन्नता जताते हुए उन्हें बधाई दी है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पुष्पांजलि ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुष्पांजलि आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जिले व बिहार का नाम रोशन करेंगी। पूर्वी चंपारण जिला तलवारबाजी संघ जिले में इस खेल को बढ़ावा देने के साथ प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण व मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। संघ का उद्देश्य खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। पुष्पांजलि को बधाई देने वालों में संघ के अध्यक्ष सुभाष सिंह, डायरेक्टर राजू सिंह, सचिव शुभम सिंह, मुख्य संरक्षक अंशु शेखर, संरक्षक अर्पित श्रीवास्तव तथा सदस्य दीपक कश्यप, परवेज आलम, प्रवीण गुप्ता और पवन कुमार शामिल हैं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

देश को भरोसे में लेना चाहिए

क्या चीन से संबंध सुधारने की प्रक्रिया इस पराजयवादी मानसिकता के तहत चल रहा है कि चीन का मुकाबला करना संभव नहीं रह गया है? सरकार को इस पर तुरंत देश को भरोसे में लेना चाहिए। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निदेशक शत्रुजित कपूर के सनसनीखेज भाषण के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि अरुणाचल प्रदेश में चीनी फौज के गश्ती के तय रास्ते से भटकने के कारण अक्सर भारतीय बलों के साथ उसका टकराव हो जाता है। उसके एक दिन पहले कपूर ने कहा था कि 'पिछले कुछ दिनों में ऐसे हालात बने, जब अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर दोनों देशों के सुरक्षा बलों का आमना-सामना हुआ और यह अभी भी जारी है।ó इस बयान ने यह साफ किया कि भारत और चीन के बीच हाल की सीमा वार्ताओं में बनी सहमतियां जमीनी स्तर पर टकराव टालने में कामयाब नहीं हुई हैं। इससे उचित ही चीन के साथ संबंध के बारे में भारत सरकार की नीति पर सवाल खड़े हुए। बहरहाल, उससे भी कहीं ज्यादा अहम कपूर की दूसरी टिप्पणी है, जिसमें उन्होंने कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से चीन का मुकाबला करना संभव नहीं है, क्योंकि उसने हथियार और इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। ऐसे में कपूर ने भारत को ड्रोन्स पर भरोसा करने की सलाह दी। इस बात का जिक्र करते हुए कि यूक्रेन ने ड्रोन्स के जरिए रूस जैसी महाशक्ति को चुनौती दी है, कपूर ने कहा- 'ड्रोन ऐसा माध्यम हैं, जिनके जरिए एक छोटा देश भी बड़े देश को चुनौती दे सकता है।ó हैरतअंगेज है कि जिस बल पर चीन से लगी भारतीय सीमा की रक्षा की जिम्मेदारी है, उसके प्रमुख अब चीन के बरक्स को भारत को छोटी ताकत बता रहे हैं! कपूर ने कहा कि आईटीबीपी 50 साल पुराना बल है, जिसके आधुनिकीकरण की जरूरत है। तो सवाल उठता है कि क्या गलवान घाटी जैसी घटना के बावजूद इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए? और क्या अभी चीन से संबंध सुधारने की जारी प्रक्रिया इसी पराजयवादी मानसिकता के तहत चल रही है कि चीन का मुकाबला करना संभव नहीं रह गया है? नरेंद्र मोदी सरकार को इस पर तुरंत सारे देश को भरोसे में लेना चाहिए। वरना, ऐसी टिप्पणियों का देशवासियों के मनोबल पर स्थायी और दूरगामी नकारात्मक असर पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना

प्रशांत

प्रगति के मार्ग को प्रशस्त करना

भारत की जनसंख्या का 16.6त्न हिस्सा अनुसूचित जाति (एससी) का है और इन्हें सामाजिक-आर्थिक उन्नति और समावेशन में ऐतिहासिक रूप से बाधाओं का सामना करना पड़ा है। इन असमानताओं को दूर करना सामाजिक न्याय, समान अवसर और भारत के विकास पथ में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन विकास संबंधी कमियों को पहचानते हुए, भारत सरकार ने अनुसूचित जातियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-एजेएवाई) शुरू की।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-एजेएवाई) वित्त वर्ष 2021-22 में शुरू की गई एक पूर्णतः केंद्र प्रायोजित योजना है। इसका उद्देश्य एक व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण के ज़रिए अनुसूचित जाति समुदायों का सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण करना है। सरकार ने पीएम-एजीएवाई योजना के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन के लिए पीएम-एजेएवाई मोबाइल ऐप और पीएम-एजेएवाई पोर्टल लॉन्च किया है। पीएम-एजेएवाई तीन पूर्व केंद्र प्रायोजित योजनाओं, अर्थात् प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (पीएमएजीवाई), अनुसूचित जातियों के लिए विशेष केंद्रीय सहायता उप योजना (एससीए टू एससीएसपी) और बाबू जगजीवन राम छात्रवास योजना (बीजेआरसीवाई) का विलय करके बनाई गई योजना है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित पीएम-एजेएवाई योजना, सभी के लिए विकास सुनिश्चित करने के अपने व्यापक लक्ष्य को निम्नलिखित तीन मुख्य उद्देश्यों के माध्यम से व्यावहारिक रूप देती है: अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित करके अनुसूचित जाति समुदायों की गरीबी कम करना। यह कौशल विकास, आय सृजन योजनाओं और अन्य पहलों के माध्यम से किया जा सकता है। इन हस्तक्षेपों का उद्देश्य आजीविका के अवसरों को बढ़ाना और लाभार्थियों को स्थायी आय सृजन गतिविधियों से जुडऩे में सक्षम बनाना है। अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों में पर्याप्त बुनियादी ढांचा और आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करके सामाजिक-आर्थिक विकास संकेतकों में सुधार करना। यह योजना विकास संबंधी महत्वपूर्ण अंतरों को पाटने और जीवन की बेहतर गुणवत्ता में योगदान देने वाली आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच में सुधार लाने का प्रयास करती है। साक्षरता बढ़ाना और अनुसूचित जातियों को विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करना। यह गुणवत्तापूर्ण संस्थानों और आवासीय विद्यालयों में पर्याप्त आवासीय सुविधाएं प्रदान करके प्राप्त किया जाता है, विशेष रूप से आकांक्षी जिलों/अनुसूचित जाति बहुल ब्लॉकों और भारत के अन्य हिस्सों में। पीएम- एजेएवाई के केंद्र में पात्रता का एक सुविचारित ढांचा है, जो यह सुनिश्चित करता है कि योजना का लाभ उन व्यक्तियों और समुदायों तक पहुंचे, जिनके लिए यह लक्षित है। तदनुसार, योजना तक पहुंच निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर निर्धारित की जाती है: जीआईए घटक के तहत लाभार्थियों का चयन करते समय, उन परिवारों/व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाती है, जिनकी वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं है। अनुसूचित जाति बहुसंख्यक समूह के अनुसूचित जाति सदस्य भी पात्र होंगे। अवसंरचना विकास के मामले में, जिन गांवों में अनुसूचित जाति की आबादी 40त्न या उससे अधिक है और कुल जनसंख्या 500 या उससे अधिक है, वे इस योजना के तहत अनुदान के लिए पात्र हैं। पीएम- एजेएवाई योजना विकास के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करने के लिए तीन विशिष्ट घटकों पर आधारित है: अनुसूचित जाति बहुल गांवों को बुनियादी ढांचे और सेवाओं में मौजूद महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके आदर्श ग्राम (मॉडल गांव) में परिवर्तित करना। आदर्श ग्राम घटक के अंतर्गत 47,243 गांव शामिल हैं, जिससे देशभर में 47.79 लाख से अधिक नागरिकों को लाभ हुआ है। कुल 46,944 विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 27,032 ग्राम विकास योजनाएं (वीडीपी) तैयार की गई हैं। 8 सितंबर 2026 तक, 18,093 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया गया है, जो अनुसूचित जाति बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे, मूलभूत सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। आदर्श ग्राम वह है, जहां लोगों को विभिन्न मूलभूत सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हो। समाज के सभी वर्गों की न्यूनतम आवश्यकताएं पूरी तरह से पूरी की जाती हैं और असमानताओं को न्यूनतम स्तर तक कम किया जाता है। इन गांवों में गरिमापूर्ण जीवन के लिए जरुरी सभी बुनियादी ढांचे और सभी निवासियों के लिए सुलभता सुनिश्चित करने की परिकल्पना की गई है। इससे प्रत्येक निवासी को अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए अनुकूल वातावरण प्राप्त होता है। राज्य/जिला स्तर पर सामाजिक-आर्थिक परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायता अनुसूचित जाति (एससी) के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के उद्देश्य से जिला/राज्य स्तरीय परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना। इसमें शामिल हैं: 1) कौशल विकास और संबंधित अवसंरचना सहित व्यापक आजीविका परियोजनाओं के माध्यम से लक्षित आबादी की आय में वृद्धि करना। 2) अनुसूचित जाति बहुल गांवों में पर्याप्त अवसंरचना का निर्माण करके सामाजिक-आर्थिक विकास संकेतकों में सुधार करना।

3) आवश्यकतानुसार आवासीय विद्यालय उपलब्ध कराकर साक्षरता बढ़ाना और अनुसूचित जाति के छात्रों को विद्यालयों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करना। वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 तक अनुदान सहायता घटक के तहत राज्यों को सीधे ?1,730 करोड़ से अधिक की राशि जारी की गई है। इससे 2.5 लाख से अधिक व्यक्तिगत और समूह लाभार्थियों को कौशल विकास और आजीविका सहायता प्रदान की गई है। छात्रावासों का निर्माण/मरम्मत अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाने और प्रोत्साहित करने के साधनों में से एक छात्रावासों का निर्माण और मरम्मत है। देश के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले छात्रों के लिए ऐसे छात्रावास अत्यंत लाभकारी हैं। सितंबर 2026 तक कुल 785 छात्र छात्रावासों का निर्माण पूरा हो चुका है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए दो छात्रावास परियोजनाओं (एक लड़कियों के लिए और एक लड़कों के लिए) के निर्माण हेतु 61.46 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता आवंटित की है, जिनसे 264 छात्रों को आवास उपलब्ध कराया जा सकेगा। किसी भी कल्याणकारी पहल के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निरंतर वित्तीय सहायता आवश्यक है। पीएम-एजेएवाई के अंतर्गत वित्तपोषण ढांचे का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है। हाल ही में लॉन्च किए गए पीएम-एजेएवाई मोबाइल ऐप और पीएम-एजेएवाई पोर्टल का उद्देश्य कागज आधारित कार्यप्रवाह और प्रसंस्करण से पूर्णतः डिजिटल कार्यप्रवाह और वास्तविक समय के आधार पर प्रसंस्करण की ओर परिवर्तन करना है। सुशासन पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता के सिद्धांतों पर आधारित है। डिजिटल प्रौद्योगिकियों ने सार्वजनिक कार्यक्रमों की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। प्रौद्योगिकी-आधारित शासन सूचना तक पहुंच में सुधार करता है, निगरानी को मजबूत बनाता है और डेटा-आधारित निर्णय लेने में सहायक होता है। यह समन्वय, पारदर्शिता और कार्यक्रम कार्यान्वयन की समग्र प्रभावशीलता को भी बढ़ाता है। भारत की विकास गाथा का अगला अध्याय 2047 तक विकसित भारत की यात्रा इस सिद्धांत पर आधारित है, कि विकास के लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचने चाहिए और सभी के लिए प्रगति के अवसर सृजित करने चाहिए। इस प्रयास में, पीएम-एजेएवाई अनुसूचित जाति समुदायों के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सतत आजीविका, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने वाले लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से इस लक्ष्य को हासिल कर रहा है। योजना के विस्तार के साथ-साथ, प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग, मजबूत निगरानी तंत्र और लक्षित अंतिम-मील वितरण इसकी प्रभावशीलता और पहुंच को बढ़ा रहे हैं। व्यक्तियों और समुदायों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने और भारत की विकास यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाकर, पीएम-एजेएवाई एक अधिक समावेशी, न्यायसंगत और सशक्त राष्ट्र को बढ़ावा देना जारी रखेगा।

आजादी के बाद पहली बार ग्राम चांगेर में पहुंची विकास की रोशनी

धनंजय राठौर, ताराशंकर सिन्हा

विद्युतीकरण से रोशन हुआ ग्राम चांगेर के 23 घर

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले के अबूझमाड़ क्षेत्र के कई दूरदराज और नक्सल-प्रभावित गांवों में दशकों के अंधेरे के बाद पहली बार बिजली पहुंचाई गई है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोडऩे के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कोण्डागांव जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित अति दुर्गम ग्राम चांगेर में आजादी लगभग 8 दशकों में पहली बार बिजली पहुंची है। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से कराए गए विद्युतीकरण कार्य के फलस्वरूप गांव के सभी 23 घर अब रोशनी से जगमगा उठे हैं।

अंधेरे से उजाले तक का सफरनामाः प्रशासनिक और भौगोलिक कारणों से जिन क्षेत्रों में आठ दशकों तक बिजली नहीं पहुँच पाई थी, वहाँ सरकारी प्रयासों और विभिन्न ग्रामीण विद्युतीकरण योजनाओं के जरिए रोशनी पहुँची है। ग्राम चांगेर के ग्रामीण वर्षों से बिजली जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित थे। शाम ढलते ही गांव में अंधेरा छा जाता था। बच्चों को पढ़ाई के लिए लालटेन का सहारा लेना पड़ता था, वहीं रात के समय आवागमन में भी ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बिजली के अभाव में दैनिक जीवन के अनेक कार्य प्रभावित होते थे। ऐसे में गांव में विद्युतीकरण होना ग्रामीणों के लिए लंबे इंतजार के बाद पूरी हुई एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

ग्राम चांगेर के सभी 23 घरों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गएः ग्राम चांगेर तक विकास की रोशनी पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से 25.21 लाख रुपये की लागत से विद्युतीकरण कार्य कराया गया। इसके तहत गांव के सभी 23 घरों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इस पहल से ग्रामीणों को बुनियादी सुविधा मिलने के साथ ही उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई संभावनाएं भी बनी हैं। लंबे समय से अंधेरे में जीवन गुजार रहे कई गाँवों और मजरों में पहली बार बिजली के बल्ब और स्म्क् की रोशनी पहुँची है। बिजली आने से ग्रामीणों और बच्चों को अंधेरे से राहत मिली है तथा रात के समय कामकाज और पढ़ाई में आसानी हुई है।

आधुनिक सुविधाओं से जोडऩे की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः ग्राम चांगेर में बिजली पहुंचने से बच्चों को अब शाम के समय बेहतर रोशनी में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्रामीणों को घरेलू कार्यों में सुविधा और रात के समय आवागमन में सहूलियत मिलेगी। बिजली की उपलब्धता से शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। यह सुविधा ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोडऩे की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सुरक्षित जीवन और बेहतर भविष्य की दिशा में एक नई शुरुआतः ग्राम चांगेर में पहली बार बिजली पहुंचने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामवासियों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों के लिए यह केवल बिजली कनेक्शन मिलने की उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्षों से प्रतीक्षित सुविधा, सुरक्षित जीवन और बेहतर भविष्य की दिशा में एक नई शुरुआत है।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा दूरस्थ चांगेरः माओवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा की स्थिति में सुधार के साथ विकास कार्यों को गति मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा दूरस्थ एवं दुर्गम गांवों तक सड़क, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ग्राम चांगेर में विद्युतीकरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो अंतिम छोर पर बसे परिवारों तक विकास का लाभ पहुंचाने और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के संकल्प को दर्शाती है।

भारत की आज़ादी के 78 वर्षों बाद कोण्डागांव ज़िले के पूर्व में नक्सल-प्रभावित ग्राम चांगेर में दशकों के अंधेरे के बाद पहली बार बिजली पहुंचाई गई है। ग्रामीण झूम उठे और उनके चेहरों खुशी की लहर दिख रही है। सरकार ने सुदूर ग्रामीणों तक विकास कार्य पहुंचाने का काम किया है। मोदी सरकार का संकल्प स्पष्ट है कि विकास की रोशनी देश के अंतिम छोर तक पहुँचे, और कोई भी गांव अंधेरे में न रहे, उनकी इसी संकल्प को छत्तीसगढ़ की श्री विष्णु देव की सरकार साकार कर रही है।

लेखक संयुक्त संचालक, सहायक संचालक, जनसंपर्क रायपुर हैं।

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वह सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आज आपको वाहन चलाते समय खास सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। आज पारिवारिक जीवन में चल रहा कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है, अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें।

कर्क राशिः आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके स्वभाव में संयम और धीरज बना रहेगा।

सिंह राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के केमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनाएंगे। महिलाएं आज रसोईघर में व्यस्त रहेंगी। दाम्पत्य जीवन में खुशियाँ बरकरार रहेंगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जाएगा। आज आपका पुराना दोस्त आपको फोन करके आपको सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जताएंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी।

तुला राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। आज आप अपने बिजी दिन में कुछ समय अपने लिए निकालेंगे, उस समय में अपने पसंदीदा कार्य करेंगे। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

वृश्चिक राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जाएंगे। नए प्रोजेक्ट को पूरा करने में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा कराएगी। वकीलों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी, जीवनसाथी के साथ आज मूवी देखने का मन बनाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा। आज पड़ोसी आपके कार्यों को पूरा करने में आपकी सहायता करेंगे।

कुंभ राशिः परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिए अपनी बेहतरीन राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे, आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेंगी। अगर आप नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा।

मीन राशिः आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नई बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

टीवी चैनलों की जवाबदेही तय, कार्यक्रम संहिता के पालन पर मंत्रालय सख्त

विनोद सिंह 'तकियावाला'

समाचारों की विश्वसनीयता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निजी सैटेलाइट टेलीविजन चैनलों को निर्धारित कार्यक्रम संहिता का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। मंत्रालय के 21 अक्टूबर 2026 को जारी परामर्श में आतंकवाद-रोधी अभियानों की रिपोर्टिंग, हिंसक दृश्यों के प्रसारण, अपराध एवं दुर्घटनाओं की खबरों, भारत के प्रामाणिक मानचित्रों के उपयोग, सांप्रदायिक सौहार्द, यौन अपराधों के पीड़ितों की पहचान की गोपनीयता तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल से जुड़े महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों पर जोर दिया गया है।मंत्रालय का यह परामर्श ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब टेलीविजन समाचारों का प्रभाव जनमत निर्माण, सामाजिक व्यवहार और सार्वजनिक विमर्श पर पड़ता है। समाचारों की त्वरित प्रस्तुति के साथ तथ्यों की पुष्टि, संवेदनशीलता और संपादकीय विवेक बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी घटना की जानकारी देने और उसे सनसनीखेज बनाकर प्रस्तुत करने के बीच स्पष्ट अंतर है। इसलिए प्रसारणकर्ताओं को दर्शकों तक सही सूचना पहुँचाने के साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि समाचार प्रस्तुति से अनावश्यक भय, भ्रम, सामाजिक तनाव अथवा किसी व्यक्ति की गरिमा को ठेस न पहुँचे।

कार्यक्रम संहिता का पालन अनिवार्यः मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम, 1995 और केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के अंतर्गत निर्धारित कार्यक्रम संहिता का पालन निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों के लिए अनिवार्य है। परामर्श में कहा गया है कि केबल टेलीविजन नेटवर्क संशोधन नियम, 2021 के तहत गठित अंतर-विभागीय समिति की बैठकों में विभिन्न चैनलों पर प्रसारित सामग्री से संबंधित अनुपालन संबंधी कमियाँ सामने आई थीं। समिति ने यह भी पाया कि कुछ मामलों में अलग-अलग चैनलों पर समान विषयों से संबंधित मिलती-जुलती सामग्री प्रसारित की गई। इन परिस्थितियों में चैनलों को अपनी संपादकीय जिम्मेदारी के प्रति सजग रहने तथा प्रसारण से पहले सामग्री की उपयुक्त समीक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। कार्यक्रम संहिता के नियम 6 में निर्धारित प्रावधानों का पालन केवल औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि जिम्मेदार प्रसारण व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है।

आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज प्रतिबंधितः राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में मंत्रालय ने विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। कार्यक्रम संहिता के नियम 6(1)(p) के अनुसार सुरक्षा बलों द्वारा संचालित आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज प्रतिबंधित है। अभियान समाप्त होने तक मीडिया कवरेज अधिकृत अधिकारी द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली जानकारी तक सीमित रहनी चाहिए। इस प्रावधान का उद्देश्य संवेदनशील अभियान से जुड़ी ऐसी जानकारी के प्रसारण को रोकना है, जिससे सुरक्षा संबंधी हित प्रभावित हो सकते हैं। मंत्रालय ने पुराने दृश्यों को लाइव प्रसारण समझे जाने की आशंका से बचने के लिए आवश्यकतानुसार समय का स्पष्ट उल्लेख करने की सलाह भी दी है। इस विषय में 12 जून 2024 और 26 अप्रैल 2025 को जारी पूर्व परामर्शों का उल्लेख किया गया है।

हिंसा, अपराध और दुर्घटनाओं की खबरों में सावधानीः मंत्रालय ने हिंसक, वीभत्स और मानसिक रूप से विचलित करने वाले दृश्यों के प्रसारण में संपादकीय विवेक बरतने पर जोर दिया है। कार्यक्रम संहिता के नियम 6(1)(a) के अनुरूप ऐसी सामग्री से बचना आवश्यक है, जो शालीनता और अच्छे रुचि-बोध के प्रतिकूल हो। आवश्यकता के अनुसार दृश्यों को धुंधला करने, उन्हें ढकने अथवा अनावश्यक पुनर्प्रसारण से बचने जैसे उपाय अपनाए जाने चाहिए। अपराध, दुर्घटना और हिंसा से संबंधित समाचार सत्यापित तथ्यों पर आधारित होने चाहिए। अधूरी जानकारी, निराधार आरोपों और भ्रामक संकेतों को तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना समाचारों की विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों से जुड़ी सामग्री के प्रसारण में भी विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। प्राकृतिक आपदाओं और बड़ी दुर्घटनाओं की रिपोर्टिंग में समय का उल्लेख तथा घटनाक्रम की सही जानकारी देना महत्वपूर्ण है, ताकि दर्शकों के बीच अनावश्यक भय या भ्रम उत्पन्न न हो।

राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द सर्वोपरिः मंत्रालय ने सभी प्रसारणों, ग्राफिक्स और डिजिटल प्रस्तुतियों में भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित भारत के प्रामाणिक मानचित्रों का उपयोग करने की सलाह दी है। यह निर्देश कार्यक्रम संहिता के नियम 6(1)(h) के अनुरूप है और राष्ट्रीय अखंडता से संबंधित विषयों में प्रामाणिकता बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। समाचार बहसों और पैनल चर्चाओं के संबंध में भी चैनलों को जिम्मेदारी निभाने को कहा गया है। कार्यक्रम संहिता के नियम 6(1)(c) और 6(1)(e) के अनुरूप ऐसी सामग्री से बचना आवश्यक है, जो सांप्रदायिक तनाव अथवा राष्ट्रविरोधी दृष्टिकोण को बढ़ावा दे। प्रतिभागियों के चयन, चर्चा के संचालन और प्रसारण के दौरान संपादकीय नियंत्रण बनाए रखना आवश्यक है। किसी कार्यक्रम में अपमानजनक, अभद्र या भड़काऊ सामग्री सामने आने पर आवाज बंद करने, उपयुक्त अस्वीकरण देने अथवा प्रसारण रोकने जैसे तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए। यौन अपराधों से संबंधित समाचारों में पीड़ितों की पहचान सुरक्षित रखना अनिवार्य है। मंत्रालय ने इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और लागू कानूनी प्रावधानों का पालन करने पर जोर दिया है। नाम, तस्वीर, पारिवारिक विवरण, निवास क्षेत्र या अन्य ऐसे संकेतों का प्रसारण नहीं किया जाना चाहिए, जिनसे पीड़ित की प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष पहचान उजागर हो सकती हो। समाचार प्रस्तुत करते समय जनहित और व्यक्ति की गरिमा के बीच संतुलन बनाए रखना जिम्मेदार पत्रकारिता का महत्वपूर्ण पक्ष है। मंत्रालय ने समाचार कार्यक्रमों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जनरेटिव एआई उपकरणों के उपयोग को लेकर भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। ग्राफिक्स तैयार करने और आभासी समाचार प्रस्तुति जैसे कार्यों में इन उपकरणों का इस्तेमाल करते समय सामग्री की सटीकता, प्रामाणिकता और संवेदनशीलता सुनिश्चित की जानी चाहिए। तकनीक का उपयोग समाचारों की प्रस्तुति को बेहतर बनाने के लिए हो सकता है, लेकिन उसे तथ्यों की पुष्टि और संपादकीय जिम्मेदारी का विकल्प नहीं बनाया जाना चाहिए। परामर्श में चैनलों को संपादकीय और सामग्री-समीक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा समाचार संग्रह, संपादन, निर्माण और प्रसारण से जुड़े कर्मियों को कार्यक्रम संहिता के प्रति जागरूक बनाने की सलाह दी गई है। इसके लिए नियमित प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और जागरूकता सत्रों को प्रोत्साहित किया गया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम संहिता का उल्लंघन होने पर संबंधित अधिनियम और नियमों के अंतर्गत कार्रवाई की जा सकती है। परामर्श की प्रतिलिपि संबंधित स्व-नियामक निकायों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों और मंत्रालयी मंचों को भी भेजी गई है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अब हर कक्षा तक पहुंचेगा खेल का संदेश, खेल और शिक्षा मंत्रालय का यूनेस्को से समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

देशभर के स्कूलों में खेल के मूल्यों और डोपिंग मुक्त खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और यूनेस्को ने बुधवार को एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य 'हर कक्षा में खेल मूल्य टूलकिट' के माध्यम से बच्चों में सम्मान, ईमानदारी और निष्पक्षता जैसे मूल्यों को शिक्षा, खेल और कक्षा की दैनिक गतिविधियों का हिस्सा बनाना है। टूलकिट के वीडियो मॉड्यूल 13 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि देशभर के विद्यार्थियों तक पहुंच बनाई जा सके और एक मजबूत तथा निष्पक्ष खेल व्यवस्था विकसित हो सके। यह समझौता यहां राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) इंडिया के स्वच्छ खेल सम्मेलन में हुआ। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख

13 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होंगे टूलकिट के वीडियो मॉड्यूल

मांडविया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस अवसर पर खेल और शिक्षा को एकीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह पहल खेलो भारत नीति 2025 में भी रेखांकित खेल और शिक्षा के बीच समन्वय की सोच के अनुरूप है। सम्मेलन में दक्षिण एशिया के लिए यूनेस्को के क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक डॉ. टिम कर्टिस, शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव टी.के. अनिल कुमार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के खेल सचिव हरि रंजन राव और नाडा के महानिदेशक अनंत कुमार भी मौजूद रहे। मंगलवार को यूनेस्को के डोपिंग रोधी सम्मेलनों की वैधानिक बैठकों में शामिल हुए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भी सम्मेलन में भाग लिया। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव भी इसमें शामिल हुए। डॉ. मनसुख मांडविया ने शिक्षा मंत्रालय के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह साझेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप खेल और शिक्षा को साथ लाने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, "खेल में उत्कृष्टता और खेल की ईमानदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। खेल में सफलता के लिए प्रतिभा, अनुशासन और कड़ी मेहनत जरूरी हैं, लेकिन ईमानदारी, निष्पक्षता और विश्वसनीयता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।" खेल मंत्री ने एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों में भारत के चौथे स्थान पर रहने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारतीय खेलों की बढ़ती ताकत और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। हालांकि, डोपिंग अब भी एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए शिक्षा, रोकथाम, परीक्षण और नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के प्रयास लगातार जारी रखने की आवश्यकता है।

चोट के कारण कनाडा महिला ओपन से हटीं अनाहत सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह चोट के कारण कनाडा महिला ओपन 2026 से हट गई हैं। उन्हें आज बुधवार को टोरंटो में होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्र की फैरूज अबोएलखैर से भिड़ना था। अनाहत के हटने से अबोएलखैर को बिना खेले सेमीफाइनल में जगह मिल गई है। अठारह वर्षीय अनाहत ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में ब्रिटेन की सारन न्यिएम को 11-6, 4-11, 11-5, 11-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी। कनाडा महिला ओपन 1,03,750 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाला पीएसए सिल्वर स्तर का टूर्नामेंट है। इसका आयोजन टोरंटो के ब्रुकफील्ड प्लेस में किया जा रहा है।

मुशीर खान ने एक ही मैच में शतक और पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

एजेंसी, मुंबई

मुशीर खान ने बुधवार को हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2026-27 मुकाबले में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। वह इस सदी में एक ही प्रथम श्रेणी मैच में शतक लगाने और पांच विकेट लेने वाले मुंबई के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले रवि शास्त्री ने 1990-91 सत्र में मध्य प्रदेश के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। मुशीर के इस प्रदर्शन से मुंबई की टीम मुकाबले में मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए 185 गेंदों पर

109 रन बनाए। उनके शतक और अंगकृष रघुवंशी की 180 गेंदों पर 114 रन की पारी की बदौलत मुंबई ने 430 रन बनाए। इसके बाद गेंदबाजी में भी मुशीर ने कमाल दिखाया। उन्होंने 52 रन देकर पांच विकेट झटके, जिससे हरियाणा की टीम लंच तक पांच विकेट पर 191 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। मुशीर भारत के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सरफराज खान के भाई हैं।

खेल महाकुंभ में अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के खुश पारिख को स्वर्ण, श्रीजा शाह ने जीता कांस्य

एजेंसी, अहमदाबाद । अदाणी स्पोर्ट्सलाइन टेनिस अकादमी के खिलाड़ियों खुश पारिख और श्रीजा शाह ने जिला स्तरीय खेल महाकुंभ 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। खुश ने अंडर-14 बालक एकल वर्ग का खिताब जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि श्रीजा ने अंडर-14 बालिका एकल वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया। श्रीजा 20 अप्रैल 2026 को अकादमी से जुड़ी थीं। इसके बाद जुलाई में उन्होंने गुजरात राज्य टेनिस संघ की प्रतियोगिताओं में अंडर-14 और अंडर-16 बालिका एकल वर्ग के खिताब जीते। अब उनकी नजरें 2027 में होने वाली अंडर-14 राष्ट्रीय चैंपियनशिप पर हैं। उनका दीर्घकालिक लक्ष्य भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना है। वहीं, अगस्त 2025 में अकादमी से जुड़े खुश पारिख ने हाल ही में गुजरात के भावनगर स्थित ममता टेनिस अकादमी में आयोजित अखिल भारतीय रैंकिंग चैंपियनशिप सीरीज टेनिस टूर्नामेंट 2026 में अंडर-14 बालक युगल वर्ग में उपविजेता स्थान हासिल किया था। उन्होंने अंडर-14 एकल वर्ग के सेमीफाइनल तक भी जगह बनाई थी। खुश की अन्य उपलब्धियों में 2025 में स्कूल गेम्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करना, वडोदरा में अखिल भारतीय टेनिस संघ की चैंपियनशिप सीरीज प्रतियोगिता के अंडर-14 युगल वर्ग में उपविजेता रहना और गुजरात राज्य टेनिस संघ की रैंकिंग प्रतियोगिताओं में खिताब जीतना शामिल है।

उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से मुशफिकुर रहीम बाहर

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। हालांकि, टीम को उम्मीद है कि वह पांच नवंबर से सिलहट में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट हो जाएंगे। मुशफिकुर को मंगलवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अकादमी में अभ्यास के दौरान तर्जनी उंगली में चोट लगी। नेट गेंदबाज की एक गेंद उनकी उंगली पर लगी, जिसके बाद उन्हें दर्द के कारण अभ्यास सत्र छोड़ना पड़ा। यह चोट ढाका

के शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में श्रृंखला के पहले टेस्ट से एक दिन पहले लगी। शुरुआती जांच में चोट गंभीर नहीं लग रही थी, लेकिन अगली सुबह भी उन्हें परेशानी महसूस हुई। खासकर विकेटकीपिंग के दस्ताने पहनने में उन्हें दर्द हो रहा था। एक्स-रे में किसी तरह के फटाव का पता नहीं चला, लेकिन चिकित्सा दल ने पहले टेस्ट में उन्हें उतारने का जोखिम नहीं लेने का फैसला किया। बांग्लादेश टीम के फिजियो बैजेदुल इस्लाम खान ने बताया कि 38 वर्षीय मुशफिकुर की उंगली में चोट के कारण सूजन और अंदरूनी चोट आई है। उन्होंने कहा, "मुशफिकुर रहीम को कल अभ्यास के दौरान तर्जनी उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद उन्हें निगरानी में रखा गया। लेकिन आज सुबह तक उनकी स्थिति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ। यह अंदरूनी चोट है। हमें उम्मीद है कि वह अगले तीन दिनों में ठीक हो जाएंगे।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में पारस हेल्थकेयर की मामूली बढ़त के साथ एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर भारत, बिहार और झारखंड में 'पारस हेल्थ' ब्रांड के तहत अस्पताल संचालित करने वाली दिग्गज कंपनी पारस हेल्थकेयर लिमिटेड के शेयरों ने बुधवार को स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 693 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई दोनों प्रमुख एक्सचेंजों पर इसकी लिस्टिंग 3.90 प्रतिशत के मामूली प्रीमियम के साथ 720 रुपये के स्तर पर हुई।लिस्टिंग के बाद बाजार मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण यह शेयर लुढ़क कर 706 रुपये के स्तर तक आ गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 748.85 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से यह शेयर ऊपरी स्तर से लुढ़क गया। बाजार में दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद यह शेयर 737.15 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले

दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 44.15 रुपये यानी 6.97 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 1,450 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 2.34 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.25 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.10 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा नॉन-इन्स्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.69 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया था, जिसमें 10 लाख से ऊपर वाले एचएनआई का हिस्सा 0.62 गुना और 10 लाख से नीचे वाले एचएनआई का हिस्सा 0.84 गुना भरा था। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,09,23,520 शेयर जारी किए गए हैं। यह इश्यू फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल का कॉम्बिनेशन था, जिसके तहत 500 करोड़ रुपये मूल्य के 72.15 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि प्रमोटर धर्मेंद्र कुमार नागर और कमेलिना लिमिटेड द्वारा 950 करोड़ रुपये मूल्य के 1.37 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की गई है। आईपीओ के फ्रेश इश्यू से जुटाई गई रकम में से 320.90 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया कर्जों को चुकाने में किया जाएगा। इसके अलावा 54.10 करोड़ रुपये का निवेश इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी पीएमपीएचएल में किया जाएगा। शेष बची राशि का उपयोग आईपीओ के खर्चों की भरपाई करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में को पूरा करने में किया जाएगा। पारस हेल्थकेयर लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए दस्तावेजों में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 15.33 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा (नेट लॉस) हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में और बढ़ कर 57.98 करोड़ रुपये के स्तर पर बना रहा। हालांकि, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी घाटे से उबर कर शानदार वापसी करने में सफल रही और उसका शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) उछल कर 43.83 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

लिस्टिंग के साथ ही मार्केट कैप के मामले में देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बनी जियो प्लेटफॉर्म्स

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में आज रिलायंस ग्रुप की दिग्गज डिजिटल और दूरसंचार कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के शेयरों की शानदार लिस्टिंग होने के साथ ही एक नया इतिहास बन गया। लिस्टिंग होने के साथ ही जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड देश की दूसरी सबसे मूल्यवान (मोस्ट वैल्युएबल) कंपनी बन गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में अंबानी परिवार ने औपचारिक रूप से लिस्टिंग के प्रतीक स्वरूप गौंग (घंटी) बजा कर इस ऐतिहासिक पल का जश्न मनाया। बाजार में लिस्ट होते ही कंपनी का मार्केट कैप 12.6 लाख करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े को पार कर गया। इस जबरदस्त वैल्यूएशन के साथ ही जियो प्लेटफॉर्म्स ने अपनी पैरेंट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के ठीक बाद भारत की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी होने का गौरव हासिल कर लिया। इस ब्लॉकबस्टर लिस्टिंग का एक बड़ा असर यह भी हुआ है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ग्रुप अब टाटा ग्रुप को पीछे छोड़ कर देश का सबसे वैल्यूएबल बिजनेस ग्रुप बन गया है।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का आईपीओ कल होगा लॉन्च, 5 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

स्टील प्रोसेसिंग सेक्टर की कंपनी बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का 183.06 करोड़ रुपये का आईपीओ कल सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किया जाएगा। यह कंपनी ऑरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स और ऑरिजनल डिजाइन मैन्युफैक्चरर्स के लिए स्टील कॉइल्स को वैल्यू-एडेड प्रोसेस्ड स्टील प्रोडक्ट्स में बदलने का काम करती है। इसके उत्पादों का उपयोग होम अप्लायंसेज, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट और फार्मास्युटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे कई उद्योगों में होता है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 2 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं।

इश्यू की क्लोजिंग के बाद 3 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 4 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 5 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई)

और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 78 रुपये से लेकर 82 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 182 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम-से-कम एक लॉट यानी 182 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,924 रुपये का निवेश करना होगा। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट में 2,366 शेयर के लिए 1,94,012 रुपये तक की बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2.23 करोड़ नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए कोई बिकवाली नहीं की जा रही है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए कम-से-कम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस पूरे इश्यू के लिए स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इस आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाई गई रकम में से 125 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया कर्जों के बोझ को पूरी तरह या आंशिक रूप से कम करने में किया जाएगा। इसके अलावा 15.77 करोड़ रुपये का उपयोग सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मौजूदा लीज व्यवस्था के तहत कैपिटल इक्विपमेंट के अधिग्रहण की लागत की फंडिंग के लिए किया जाएगा। इसके बाद बची शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी।

कल खुलेगा अंताला इंडस्ट्रीज का पब्लिक इश्यू, 2 नवंबर तक लगा सकेंगे बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

पैकेजिंग सेक्टर की कंपनी अंताला इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 23.33 करोड़ रुपये का आईपीओ कल सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। यह कंपनी इंडस्ट्रियल और कमर्शियल पैकेजिंग उत्पादों जैसे बीओपीपी बैग, बीओपीपी प्रिंटिंग रोल्स, पीपी वुवेन बैग और वुवेन लैमिनेशन रोल्स के निर्माण, प्रोसेसिंग और प्रिंटिंग का काम करती है। इसके उत्पादों का उपयोग मुख्य रूप से फूड प्रोसेसिंग, फर्टिलाइज़र्स, केमिकल्स, सीमेंट और बीज उद्योगों में किया जाता है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 2 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की

क्लोजिंग के बाद 3 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 4 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 5 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 63 रुपये से लेकर 67 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम 2 लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,68,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 34.82 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए प्रमोटर्स द्वारा कोई बिकवाली नहीं की जा रही है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली : करवा चौथ के एक दिन पहले घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। चांदी आज भी सोमवार के भाव पर टिकी हुई नजर आ रही है। सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,19,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एआई के दौर में हर भारतीय को सशक्त बनाना जियो का लक्ष्य : आकाश अंबानी

एजेंसी, मुंबई

रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश अंबानी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में हर भारतीय को सशक्त बनाना जियो का मुख्य लक्ष्य है। कर्मचारियों को भेजे गए एक संदेश में उन्होंने कहा कि कंपनी का शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना हमारी मंजिल नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी ने बुधवार को कंपनी की शेयर बाजार में शानदार शुरुआत के अवसर पर उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के दौर में अगले दशक में कंपनी का लक्ष्य हर भारतीय को अपनी क्षमता का पूरा

इस्तेमाल करने के लिए सशक्त बनाना होना चाहिए। कर्मचारियों को भेजे ई-मेल में आकाश अंबानी ने कहा कि कंपनी को अब प्रौद्योगिकी बदलाव की अगली लहर का नेतृत्व करना चाहिए। जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी ने कहा कि कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से मिली प्रतिक्रिया उम्मीदों से बढ़कर रही। उन्होंने भाई-बहन ईशा और अनंत के साथ मिलकर कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता जतायी। रिलायंस इंडस्ट्रीज समर्थित डिजिटल सेवा कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर ने आज को बाजार में जोरदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने 1,119 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 23 फीसदी चढ़ा और इसके साथ बाजार पूंजीकरण के लिहाज से यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। बीएसई और एनएसई पर शेयर ने 1,358 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 21.36 फीसदी अधिक है।

कातिल नहीं आशिक हूं, किंग के नए पोस्टर में दिखा शाहरुख खान का किलर रोमांटिक लुक, फैंस बोले- ये तो फायर हैं

शाहरुख खान अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग को लेकर बहुत एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. इसलिए किंग खान अपनी फिल्म से बार-बार अपनी तस्वीरें शेयर कर रहे हैं और दर्शकों को याद दिला रहे हैं कि यह फिल्म कब रिलीज होगी. इस कड़ी में शाहरुख खान ने अपने फैंस को एक बार फिर फिल्म से अपडेट किया है. शाहरुख ने फिल्म किंग से अपना नया और किलर लुक धांसू पोस्टर शेयर किया है. सबसे अहम बात यह है कि किंग के पोस्टर से ज्यादा इस पोस्ट के कैप्शन पर लोगों का ज्यादा ध्यान जाने वाला है. चलिए जानते हैं आखिर क्या है इस पोस्ट के कैप्शन में. शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किंग से नया पोस्टर शेयर कर अपने फैंस को सुबह-सुबह खुश कर दिया है. किंग का नया पोस्टर शेयर कर शाहरुख इसके कैप्शन में लिखते है, आज फिर याद आया, कातिल नहीं आशिक हूं. शाहरुख खान का यह कैप्शन एक्टर की फिल्म बादशाह के टाइटल सॉन्ग बादशाह की याद दिलाता है, जिसकी शुरुआत इन्हीं लफ्जों से होती है. गाना कुछ इस प्रकार है, आशिक हूं मैं, कातिल भी हूं, सबके दिलों में शामिल भी हूं. लेकिन शाहरुख यहां बताना चाह रहे हैं कि पहले वह आशिक और कातिल दोनों थे और अब उन्हें याद आया कि सिर्फ अब आशिक हैं.. कातिल नहीं. किंग से आया शाहरुख खान का नया पोस्टर डैशिंग और धांसू होने के साथ-साथ किलर-रोमांटिक भी है. शाहरुख खान आग की लपटों के बीच नजर आ रहे हैं. आंखों में रूमानियत है और दांतों के बीच प्यार का प्रतीक गुलाब का फूल दबा रखा है. पोस्ट में शाहरुख ऑल ब्लैक कॉस्ट्यूम लुक में दिख रहे हैं. किंग खान के दाहिने हाथ में बंदूक है और शर्ट के बटन पेट तक खुले हैं. ऐसा लग रहा है, जैसे जंग जीतने के बाद शाहरुख अपने प्यार की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं. किंग के नए पोस्टर पर फैंस और सेलेब्स के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. फैंस ने रेड हार्ट और फायर इमोजी से कमेंट बॉक्स भर दिया है. कई फैंस ने शाहरुख के इस किलर लुक को फायर ईमोजी शेयर कर इसे फायर बताया है. किंग एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसे पठान के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी. साथ ही अभिषेक बच्चन, सौरभ शुक्ला, अरशद वारसी और अनिल कपूर समेत कई स्टार नजर आने वाले हैं. फिल्म आगामी 24 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने जा रही है.।

साई पल्लवी ने क्यों एमबीबीएस छोड़कर चुना अभिनय? रणबीर कपूर ने मजाकिया अंदाज में बताई वजह

नितेश तिवारी की फिल्म रामायण 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और साई पल्लवी भगवान राम और मां सीता की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के प्रमोशन के लिए दोनों जल्द ही अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति 18 में नजर आएंगे। शो के निर्माताओं ने इसका प्रोमो भी साझा किया है, जिसमें दोनों सितारे अमिताभ के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। अमिताभ ने शो में साई से पूछा, आपने डॉक्टर बनने की पढ़ाई की थी, फिर आप यहां कैसे आ गईं? इसके जवाब में साई ने कहा कि शायद उनकी किस्मत में ही अभिनेत्री बनना लिखा था। उन्होंने कहा, भगवान ने ऐसा ही लिखा था। मेरी किस्मत में अभिनय करना ही लिखा था। जब दर्शकों ने साई के लिए तालियां बजाईं, तो रणबीर ने बात में जुड़ते हुए कहा, सर, यह भगवान का प्रिस्क्रिप्शन था कि उन्हें अभिनय करनी है। इस प्रोमो को देखकर दर्शक इस एपिसोड को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रामायण के कलाकारों वाला विशेष एपिसोड

29 और 30 अक्टूबर को प्रसारित होने वाला है। रामायण को 2026 की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस फिल्म के रूप में प्रमोट किया जा रहा है। रणबीर और साई के साथ-साथ यश, सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल, लारा दत्ता और कई अन्य कलाकार भी नजर आएंगे। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित और भव्य पौराणिक फिल्म 'रामायण' को लेकर सिनेमाप्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस फिल्म का निर्माण भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे महंगे और बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक के रूप में किया जा रहा है, जिसमें वीएफएक्स और तकनीकी पक्ष को हॉलीवुड स्तर का बनाने के लिए ऑस्कर विजेता कंपनी डीएनईजी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। फिल्म के संगीत को लेकर भी दर्शकों में भारी क्रेज है, क्योंकि इसमें लीजेंड्री संगीतकार ए.आर. रहमान और ऑस्कर विजेता हंस जिमर जैसी महान हस्तियां अपना संगीत दे रही हैं, जो इस पौराणिक गाथा को एक अलौकिक और भव्य संगीतकीय अनुभव प्रदान करेंगी। फिल्म के सेट डिजाइन से लेकर हर एक पात्र की वेशभूषा और मुकुट तक पर महीनों की रिसर्च और बारीकी से काम किया गया है ताकि त्रेता युग की जीवंत अनुभूति पर्दे पर उतारी जा सके। रणबीर कपूर और साई पल्लवी के अलावा इस फिल्म में खलनायक रावण के रूप में साउथ के सुपरस्टार यश का नजर आना इस फिल्म के आकर्षण को और अधिक बढ़ा देता है, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जाने जाते हैं। वहीं, बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल इस फिल्म में भगवान हनुमान के शक्तिशाली और प्रेरणादायक किरदार में दिखाई देंगे, जिनका लुक और टीजर पहले ही सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर चुका है। फिल्म की स्टार कास्ट इतनी मजबूत और विशाल है कि इसमें टीवी के मूल राम यानी अरुण गोविल भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे, जो पुरानी यादों को ताजा करते हुए नई पीढ़ी को इस संस्कृति से जोड़ेंगे। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी रिलीज से पहले इसके प्रचार-प्रसार के लिए एक अनूठी रणनीति तैयार की है, जिसके तहत देश के बड़े शहरों में भव्य इवेंट्स और फैंस मीट का आयोजन किया जा रहा है ताकि इस महाकाव्य के हर एक पहलू को दर्शकों के दिलों तक पहुंचाया जा सके।

हेतल यादव का तनुश्री दत्ता पर बड़ा हमला: ईमानदार होतीं तो आज इंडस्ट्री से गायब न होतीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता अक्सर अपने बेबाक बयानों के चलते सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस और कोरियोग्राफर हेतल यादव ने तनुश्री के साथ अपने काम करने के अनुभव को साझा करते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हेतल ने तनुश्री को गैर-पेशेवर बताते हुए कहा है कि काम के प्रति ईमानदारी की कमी ही उनके करियर के प्रभावित होने की मुख्य वजह है। हेतल के अनुसार, तनुश्री की बहन इशिता दत्ता के साथ काम करना काफी आसान था, लेकिन तनुश्री के साथ सेट पर उनका अनुभव बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा। एक बातचीत में हेतल यादव ने खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म 'अपार्टमेंट' में तनुश्री दत्ता के साथ तीन गानों पर काम किया था। उनका अनुभव बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा। हेतल के अनुसार, तनुश्री सेट पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देती थीं और छोटी-छोटी बातों पर तुरंत चिढ़ जाती थीं। उन्होंने विशेष रूप से एक रोमांटिक गाने की शूटिंग का जिक्र किया, जहाँ तनुश्री ने टच न करने की बात कहकर काफी नखरे दिखाए। हेतल ने यह भी बताया कि तनुश्री के इस रवैये से फिल्म के प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स भी बेहद परेशान हो गए थे। उनके मुताबिक, तनुश्री का सेट पर रवैया गैर-जिम्मेदाराना था, जिसने शूटिंग के माहौल को काफी प्रभावित किया।

तनुश्री दत्ता ने कुछ समय पहले यह आरोप लगाया था कि बॉलीवुड इंडस्ट्री ने उनके प्रोजेक्ट्स छीनकर उनका करियर बर्बाद कर दिया। हेतल यादव ने इस दावे को सीधे तौर पर खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अगर तनुश्री अपने काम के प्रति ईमानदार और समर्पित होतीं, तो आज वह इंडस्ट्री से गायब नहीं होतीं। हेतल ने गोविंदा का उदाहरण देते हुए समझाया कि कोई भी कलाकार का पूरा करियर नहीं छीन सकता। उनके अनुसार, कुछ प्रोजेक्ट्स भले ही हाथ से निकल जाएं, लेकिन अगर कोई कलाकार अपने काम में पक्का है और मेहनती है, तो उसके लिए काम कभी खत्म नहीं होता। यह बात किसी भी पेशे में लागू होती है कि आपकी ईमानदारी और समर्पण ही आपको आगे ले जाता है। जब हेतल यादव से नाना पाटेकर और तनुश्री दत्ता के बहुचर्चित विवाद के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। हेतल ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि वे उस फिल्म का हिस्सा नहीं थीं और इसलिए उन्हें नहीं पता कि उस घटनाक्रम के दौरान वास्तव में क्या हुआ था। उन्होंने कहा कि जिस घटना को उन्होंने अपनी आंखों से देखा ही नहीं, उस पर कोई भी फैसला या टिप्पणी करना पूरी तरह से गलत होगा और वे ऐसा नहीं करेंगी। हेतल ने जोर देकर कहा कि वे केवल उन्हीं बातों पर अपनी राय देंगी जिनकी वे प्रत्यक्ष साक्षी रही हैं।

मुंबई, आज रात मेरे दिल का छोटा सा टुकड़ा टूट गया: शिल्पा राव

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा अब फिल्म गजरा से मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। यह कदम उनके करियर में एक नया आयाम जोड़ेगा और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और भी सशक्त करेगा। हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब उनके पिता ने उन्हें एक खास और दूरदर्शी सलाह दी थी कि उन्हें भारत की हर भाषा की फिल्म में काम करना चाहिए। यह सलाह उनके अभिनय यात्रा का मार्गदर्शक बनी है। अभिनेत्री ने अपने पिता द्वारा दी गई उस अनमोल सलाह को याद करते हुए बताया, जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हें भारत की हर भाषा में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए। हर राज्य की अपनी संस्कृति होती है, हर भाषा की अपनी बारीकियां होती हैं। तुम्हारे लिए हर भाषा और हर फिल्म में एक नया किरदार निभाना एक बड़ा और दिलचस्प चुनौतीपूर्ण अनुभव होगा। इस सलाह ने अदा को विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के किरदारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने का मौका मिला। अदा शर्मा ने भले ही बॉलीवुड से अपना डेब्यू किया था, लेकिन एस/ओ सत्यमूर्ति (2015) और क्षनम (2016) जैसी सफल फिल्मों से उन्होंने साउथ सिनेमा में एक सफल अभिनेत्री के रूप में अपना नाम मजबूती से स्थापित किया। उनकी अभिनय क्षमता ने उन्हें क्षेत्रीय सिनेमा में भी एक लोकप्रिय चेहरा बना दिया। जब अभिनेत्री से पूछा कि अगर गजरा सफल होती है, तो क्या वह और मराठी फिल्में करेंगी या बॉलीवुड को ही अपनी मुख्य जगह मानेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अदा ने स्पष्ट किया कि वे अपने आप को एक पैन-इंडियन एक्ट्रेस के तौर पर देखती हैं। उनका मानना है कि कला की कोई भाषा या भौगोलिक सीमा नहीं होती। उन्होंने कहा, द केरला स्टोरी एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म थी, जिसमें 60 प्रतिशत मलयालम, 10 प्रतिशत अंग्रेजी और 30 प्रतिशत टूटी-फूटी हिंदी थी। हिंदी फिल्म कमांडो में मैंने एक तेलुगु लड़की का किरदार निभाया था। अपनी पहली फिल्म में मैंने एंग्लो-इंडियन लिजा का रोल किया था। मैं किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं चाहूंगी कि सभी भाषाओं में अपनी

जगह बनाऊं। यह बयान उनकी अभिनय के प्रति समर्पण और भाषाओं की सीमाओं को तोड़ने की उनकी इच्छा को दर्शाता है। उनकी आगामी मराठी फिल्म गजरा एक रहस्यमयी फिल्म होगी, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

करवा चौथ पर सुहागिन महिलाएं रखें इन बातों का ध्यान, व्रत के दौरान न करें ये गलतियां

करवा चौथ 2026 : करवा चौथ का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन में खुशहाली की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखती हैं। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान गणेश, माता करवा, भगवान शिव, माता पार्वती और चंद्रदेव की पूजा की जाती है। व्रत का समापन चंद्रमा को अर्घ्य देने और पति के हाथों जल ग्रहण करने के बाद किया जाता है। हालांकि, व्रत के दौरान कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि धार्मिक परंपराओं का पालन करने के साथ सेहत भी अच्छी बनी रहे।

1. सरगी से करें दिन की शुरुआत

करवा चौथ के दिन सुबह सूर्योदय से पहले सरगी खाने की परंपरा है। सरगी में फल, दूध, मेवे, दही और पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल किए जा सकते हैं। इनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है और दिनभर भूख-प्यास सहन करने में कुछ मदद मिल सकती है। सरगी में बहुत अधिक तला-भुना या नमकीन भोजन खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे प्यास बढ़ सकती है। व्रत शुरू करने से पहले पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है।

2. व्रत के नियमों का करें पालन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, करवा चौथ के दिन व्रत रखने वाली महिलाओं को मन, वचन और कर्म से पवित्रता बनाए रखने की सलाह दी जाती है। इस दिन पूजा-पाठ, कथा श्रवण और चंद्रदेव की आराधना का विशेष महत्व है। महिलाएं अपनी पारिवारिक परंपराओं के अनुसार व्रत के नियमों का पालन कर सकती हैं। व्रत के दौरान क्रोध, कटु वचन और अनावश्यक विवाद से बचते हुए घर में प्रेमपूर्ण वातावरण बनाए रखना चाहिए।

3. पूजा की थाली पहले से करें तैयार

करवा चौथ की पूजा के लिए थाली पहले से तैयार कर लेना बेहतर रहता है। इसमें करवा, दीपक, रोली, अक्षत, मिठाई, फल, फूल और पूजा की अन्य आवश्यक सामग्री रखी जा सकती है। महिलाएं अपनी परंपरा के अनुसार करवा चौथ की कथा सुनें या पढ़ें। पूजा के समय परिवार की बुजुर्ग महिलाओं से परंपराओं की जानकारी भी ली जा सकती है। इससे पूजा के दौरान जल्दबाजी नहीं होगी और सभी रस्में सुविधापूर्वक पूरी की जा सकेंगी।

4. सोलह श्रृंगार और शुभ रंगों का महत्व

करवा चौथ पर सुहागिन महिलाओं के सोलह श्रृंगार की परंपरा प्रचलित है। महिलाएं अपनी पसंद और पारिवारिक परंपरा के अनुसार लाल, गुलाबी, मैरून या अन्य शुभ माने जाने वाले रंगों के वस्त्र पहन सकती हैं। मेहंदी, चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर और मंगलसूत्र को सुहाग का प्रतीक माना जाता है। हालांकि, श्रृंगार करना व्यक्तिगत पसंद का विषय भी है। त्योहार का मुख्य उद्देश्य पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास और आपसी सम्मान को मजबूत करना है।

5. चंद्रमा को अर्घ्य देने की विधि

करवा चौथ की पूजा में चंद्रमा के दर्शन और अर्घ्य देने की परंपरा है। चंद्रोदय के बाद महिलाएं अपनी मान्यताओं के अनुसार चंद्रदेव की पूजा करती हैं।

कई परिवारों में छलनी से चंद्रमा और फिर पति का चेहरा देखने की रस्म निभाई जाती है। इसके बाद पति पत्नी को पानी पिलाकर व्रत खुलवाते हैं। चंद्रोदय का समय शहर के अनुसार अलग हो सकता है, इसलिए स्थानीय समय की जानकारी पहले से प्राप्त कर लेनी चाहिए।

6. सेहत को न करें नजरअंदाज

निर्जला व्रत के दौरान लंबे समय तक पानी नहीं पीने से कुछ महिलाओं को कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर या निर्जलीकरण की समस्या हो सकती है। गर्भवती महिलाओं, मधुमेह या अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित महिलाओं और नियमित दवाएं लेने वालों को व्रत रखने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। यदि व्रत के दौरान तबीयत बिगड़ती है, तो स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सा सहायता लें। व्रत खोलने के बाद भी एकदम से बहुत अधिक भोजन करने के बजाय पानी और हल्का पौष्टिक भोजन लें।

7. पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम और सम्मान रखें

करवा चौथ केवल उपवास और पूजा का पर्व नहीं, बल्कि पति-पत्नी के बीच प्रेम, समर्पण और विश्वास का प्रतीक भी माना जाता है। इस अवसर पर एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। पति भी पत्नी की मेहनत और आस्था को समझें तथा उसके स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जरूरी नहीं कि प्रेम जताने का तरीका केवल व्रत तक सीमित हो; आपसी सहयोग और सम्मान ही रिश्ते को मजबूत बनाते हैं। करवा चौथ पर धार्मिक परंपराओं का पालन करते समय अपनी सेहत का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। उचित तैयारी, पूजा की सामग्री की व्यवस्था और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के साथ इस त्योहार को प्रेम, विश्वास और खुशियों के साथ मनाया जा सकता है।

BRIFF NEWS

Four of same family killed in hotel Bilas Inn firing; accused arrested

Guwahati, Agency: Five people, four of them from same family, were killed and another sustained gunshot injury in a shooting at the hotel owned by the family in Guwahati on Tuesday evening over a suspected property dispute.

Within an hour of the incident Guwahati police nabbed the alleged killer, Ghanakanta Gogoi and seized a licensed .32 bore pistol. Police said Gogoi had taken the hotel on lease from the owners last year.

The incident occurred at Hotel Bilas Inn on the city's busiest arterial road, GS Road at around 9 pm. Police have not yet revealed the identities of the dead.

Guwahati Commissioner of Police Partha Sarathi Mahanta "Preliminary investigation and we suspect the incident stemmed from a dispute between the hotel owners and Gogoi over a lease agreement. Gogoi had taken the hotel on lease last year. The investigation is at an early stage, and all aspects are being examined." "Four of the dead are from the same family and they are from hotel owners' side. The fifth dead and the one injured are from the owners' village," Mahanta said. Mahanta said the preliminary findings would be verified before any definitive conclusions were drawn, adding that investigators expected to establish a clearer picture of the incident by Tuesday." According to police six persons were shot among who five succumbed. The sixth victim is currently in Guwahati Medical College Hospital. Hospital authorities said the injured Satyen Pathak (42) has a bullet injury in his shoulder and is under treatment.

17 prisoners escape after attacking guard at Theni jail

Madurai, Agency: Seventeen inmates allegedly assaulted a prison guard and escaped from Thekkampatti jail in Theni district on Monday, prompting police to launch a statewide manhunt and intensify vehicle checks across several districts. According to Theni police, some inmates feigned seizures and attacked prison staff when they approached to help. The inmates then fled the prison. Theni district superintendent of police KS Praveen Gowtham inspected the prison following the incident. Kandamanur police registered a case, while special teams were formed to trace the escapees, two senior prison department sources confirmed.

Police stepped up surveillance in neighbouring districts, particularly Villupuram, where several of the fugitives are believed to hail from. Vehicle checks were intensified across Villupuram district amid concerns that the inmates could attempt to return to their hometowns. The escapees were identified as Lingam, Raja Singandhar, Karuppasamy, Silambarasan, Thirupathi, Menjisundaram, Sabari, Pon Muthu, Nijanth, Karthik Raja, Mugilan, Selva, Tarun, Rajkumar, Praveen, Muthu Ilango and Rajuveen.

Lawrence Bishnoi moved to high security Ahemdabad jail block

New Delhi, Agency: Gangster Lawrence Bishnoi is learnt to have been recently shifted to "Do sau kholi", a specialised high-security block at Ahmedabad's Sabarmati Central Jail housing 200 dangerous inmates accused of terrorism and other heinous offences, sources say. To ensure total isolation and prevent intercell movement, the block has four segregated sections of 50 prisoners each. The size of his cell is roughly 7.5x11 ft.The move is part of an elaborate security plan to clip the wings of Bishnoi.

Lawrence put in block which also houses 2008 blasts convicts

Prior to 2023-2024, Lawrence routinely made extortion calls, circulated threatening audio and video messages to manage his network and even gave interviews from different jails. But investigators have reported zero direct calls or communication originating

from him over the past two years. Over the past two years, investigators have reported zero direct calls or communication originating from Lawrence Bishnoi. "Block 200" is a maximum-security area within Sabarmati jail which holds convicts of the 2008 serial blasts case and other serious cases and is generally the zone for prisoners convicted of serious offences and restrained from moving outside the prison under the provisions of Section 303 of the BNSS. Before this, Lawrence was held in "Dus Kholi," a smaller high-security enclosure accommodating just 10 inmates. Prior to that, he was in Tihar jail and different jails in Punjab. Recorded calls of Lawrence threatening call centre owners and even a purported conversation with gangster Shehzad Bhatti had surfaced while he was in these jails. Deprived of physical interaction and digital access, Lawrence now lives under round-the-clock solitary surveillance. He reportedly maintains a disciplined, ascetic lifestyle inside his cell - spending mornings in meditation, regularly reciting the Hanuman Chalisa, observing fasts and maintaining a vegetarian diet.

From Andamans to Zanskar, e-Sanjeevani bridges distances, posts 50cr consultations

New Delhi, Agency: High fever and laboured breathing threatened the life of Oho-Tahane, a child from Jarawa tribe of Andaman and Nicobar Islands. With specialist care out of reach, health workers turned to e-Sanjeevani for remote consultation. The doctor diagnosed pneumonia, and timely expert intervention helped the child's condition improve rapidly.

Oho-Tahane, a member of one of India's most vulnerable tribal groups, is among over 50 crore cases, many in far flung areas, facilitated by the national telemedicine service since its launch in Nov 2019. The service's achievement was highlighted by PM Narendra Modi in his 'Mann Ki Baat' address Sunday, as he also cited how e-Sanjeevani enabled a doctor to guide a medical

team in treating Kunhi Koya (60) in Kalpeni, Lakshadweep, and helped ensure medical assistance for pregnant Kunjang Dolma in Himalayan region of Zanskar.

Developed by C-DAC Mohali under the health ministry, e-Sanjeevani facilitates 2.5-3 lakh daily consultations, offers services in 15 languages and is available across all 36 states and UTs. Women account for 57.1% of the platform's utilisation, while people aged 46 and above account for 40.1% of consultations. Those aged 60 and above account for 16.2%. The platform has recorded a peak of 6,30,315 consultations in a single day. Modi credited the platform's reach to dedication of doctors, public trust and the effective use of technology. He highlighted 1.9 lakh Ayushman Arogya Mandirs, saying they were bringing healthcare closer to rural communities and evolving into wellness centres for village panchayats. Regular health check-ups were becoming more common in rural areas, he said, with e-Sanjeevani playing an important role. The PM also highlighted advances in brain research, referring to Sudha Gopalakrishnan Brain Centre at IIT-Madras, which he inaugurated this month.

NC defends Farooq, says speech not seditious

Srinagar, Agency: The National Conference, facing all-round fire, including from ally Congress, over its president Dr Farooq Abdullah's statement praising Pakistan's diplomatic efforts on Kashmir, on Monday came out in his defence, saying his speech was not seditious and accusing the BJP of taking part of his speech out of context for political mileage.

"Those who have presented Dr Farooq Abdullah's speech in the wrong manner need to listen to the entire speech. He spoke about the raiders of 1947, Pakistan's atrocities in Kashmir and how the National Conference fought the raiders," NC spokesperson Tanvir Sadiq

said. He said he was surprised that 99 per cent of people commenting on Abdullah's speech have not heard it completely. He claimed the NC president spoke about how Pakistan destroyed Jammu & Kashmir.

"There is nothing seditious in the speech. Listen to it in its entirety and you will realise that it is not seditious…a small part of his speech was picked out to play politics across the country," the spokesperson said.

Relief for local NH commuters: Annual pass to cost Rs 1,500 in rural & Rs 3,000 in urban areas

New Delhi, Agency: In a major relief for local commuters, residents living within 20 km of a National Highway toll plaza can now opt for an annual concessional pass costing Rs 1,500 for plazas located outside municipal or local town limits and Rs 3,000 for those within such limits. Currently, eligible residents can obtain a monthly pass for Rs 360, amounting to Rs 4,320 annually.

Road transport ministry notified the changes to NH Fee Rules on Monday. Under the provision, vehicle owners with valid and functional FASTags registered for personal use can choose either the existing monthly pass or the new concessional local pass for commuting through the specific toll plaza. Govt will revise these rates every year on April 1. As per the notification, the concession will

be applicable only to the specific toll plaza and will not be transferable for use at other plazas. However, the pass will not be issued for NHs or expressways where toll is collected under a closed user fee collection system. The rules also make the concession conditional on the non-availability of a service road or alternative road for the vehicle owner or driver. This means residents will not be eligible for the concessional pass if such an alternative route is available for their use .

E100 flex-fuel vehicles get regulatory push ahead of launch

New Delhi, Agency: Paving the way for roll out of flex fuel vehicles (FFVs) that can run on up to E100 - nearly 100% pure ethanol or about 93-95% ethanol-blended with petrol - road transport ministry Monday modified changes in Central Motor Vehicles Rules.

This comes barely months before some car manufacturers launch their E100 models.

FFVs with an internal combustion engine can run on petrol, biofuels like ethanol or methanol, or any mixture of both stored in a single fuel tank. E100 fuels are "intended only for vehi-

cles designed and certified to use it".

Officials said this is not applicable for other vehicles."Vehicles that use E20 or normal fuel can't use E85 or E100 fuel. Hence, the notification doesn't require owners of existing vehicles to switch to these fuel categories or modify their vehicles now or in the future," said a transport ministry official. Media has learnt that the change in rules was essential for type approval and registration of FFVs on E100 considering that vehicle manufacturers are ready with their products. Depending on the vehicle's design and certification, the range of blending may extend to E85 or E100, a fuel predominantly consisting of ethanol.Flex fuel technology is used in countries such as Brazil and the US. Ethanol has a lower fossil carbon footprint than conventional petrol and the use of higher ethanol blends can help reduce tailpipe emission of carbon monoxide (CO) and certain hydrocarbons. Greater ethanol use will also reduce dependence on import of crude oil. While govt notification will enable OEMs to manufacture FFVs, this won't be enough to push adoption of these vehicles, experts said.

SC to UP police: Educate officers on investigation

New Delhi, Agency: In a severe indictment of Uttar Pradesh police for carrying out a "slipshod investigation" that resulted in a man being in custody for six years when there was no evidence against him, Supreme Court Monday said the state cannot shirk its responsibility to protect citizens and directed it to pay a compensation of Rs 6 lakh to him.

"This is a classic case of how an investigation should not be proceeded with, resulting in the prosecution putting into jeopardy a person's life and liberty," SC noted at the outset of its verdict.

On Sept 30, in a separate matter, the top court had slammed UP police for not naming the accused in a road accident case.

Appalled at the way UP cops carried out probe: SC It would be better if investigations in all criminal

cases were handed over to CBI if the state police works with an agenda and does cover-up jobs, court had said, noting the accused had not been named despite the complainant catching him on the spot and handing him over to police.

In the present case, a bench of J B Pardiwala and K Vinod Chandran said there was no evidence to implicate the person in a kidnapping and murder case. It noted he was never named in the FIR and police made him an accused on the basis that he was seen in CCTV footage. SC said it was "appalled at the manner in which investigation was carried out". "It is unfortunate that despite no evidence against the petitioner, he was imprisoned for six years as an undertrial. Based on a slipshod investigation, a haphazard prosecution was carried out, which resulted, fortunately, in the acquittal of the accused. We cannot but deprecate the manner in which the probe was carried out and prosecution conducted," SC said. "State police would do well to educate their officers in the process of investigation." Making the state accountable for police's misdeed, the court said six years have been erased from the man's life on the strength of a concocted story built on mere surmises and conjectures, and the state has to pay compensation.

"The state cannot shirk from its responsibility to protect its citizens, especially when a person arraigned in a criminal case is presumed innocent until proven guilty. The investigation and prosecuting agencies exist not merely to, and by whatever means, bring in a conviction. They should recognise themselves to be essential stakeholders in the justice delivery system, ensuring justice, not only to the victim, the de facto complainant and the injured but also to the accused," the SC bench said.

ED in SC: NewsClick received 86cr in 'illicit foreign funding'

New Delhi, Agency: In its appeal before the Supreme Court in the NewsClick case, Enforcement Directorate (ED) has questioned the news portal's ownership and service arrangements with foreign entities. The agency has said the Peoples Dispatch website was initially owned and controlled by NewsClick, while the American Justice and Education Fund was paying NewsClick to upload material onto it. The enforcement agency has questioned the commercial justification for those payments.

ED filed a fresh plea in SC in the case against NewsClick and its ' illicit foreign funding' with details of NewsClick's modus operandi, its receipt of nearly Rs 86 crore in foreign funds through arrangements 'designed to make foreign contributions appear as legitimate business transactions'.

According to ED, the issue was not simply that NewsClick had received foreign money. The issue was that

foreign charitable contributions were deliberately presented as investments and commercial payments to circumvent Indian regulations governing foreign funding of news organisations. The agency has cited recovered emails, company documents, financial transactions, valuation reports, contracts and statements recorded during its investigation as evidence.

Agency sources said NewsClick had received payments from US-based Justice and Education Fund (JEF) for articles, videos and other content uploaded onto Peoples Dispatch. "The service agreement was a device for regular foreign funding rather than a genuine commercial arrangement," a senior official said.